NOTES

10 TH STANDARD
THIRD LANGUAGE HINDI
FULL NOTES
WITH VIDEO LINKS

Web Link ⇨ https://hindisevak.in/

B.S.SURESH NAIK
BISINEERU MUDDAPPA GOVT.HIGH SCHOOL
CHALLAKERE -CHITRADURGA DIST.

1.मातृभूमि

https://www.youtube.com/watch?v=MwIix5bzBSI

[By dr. vijay kumar]

I . एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१.कवि किसे प्रणाम कर रहे हैं ?

उत्तर : कवि भारतमाता को प्रणाम कर रहे हैं।

२. भारत माँ के हाथों में क्या है ?

उत्तर : भारत माँ के एक हाथ में न्याय पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान दीप है।

३.आज माँ के साथ कौन है ?

उत्तर : आज माँ के साथ कोटि-कोटि लोग हैं।

४.सभी ओर क्या गूँज उठा है ?

उत्तर : सभी ओर जय हिन्द का नाद गूँज उठा है।

५.भारत के खेत कैसे हैं ?

उत्तर : भारत के खेत हरे-भरे हैं।

६.भारत भूमि के अंदर क्या-क्या भरा हुआ है ?

उत्तर : भारत भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है।

७.सुख-संपत्ति,धन-धाम को माँ कैसे बाँट रही है ?

उत्तर : -संपत्ति को माँ मुक्त हस्त से बाँट रही है।

८.जग के रूप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते हैं ?

उत्तर : जग के रूप को बदलने के लिए कवि भारतमाता से निवेदन करते हैं।

९.'जय-हिंद ' का नाद कहाँ-कहाँ पर गूँजना चाहिए ?

उत्तर : जय-हिंद का नाद सकल नगर और ग्रामों में गूँजना चाहिए।

II. दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

१.भारत माँ के प्रकृति – सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर : भारत माँ के प्रकृति का वर्णन इस प्रकार है कि, भारत हरे-भरे खेतों से भरा हुआ है। वन-उपवन फल-फूलों से युत है। भारत माँ के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है। माँ मुक्त हस्त से सबको सुख-संपत्ति और धन-धाम बाँट रही है।

२. मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

उत्तर : भारत माँ अपने एक हाथ में न्याय पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप लिए सबको सही रास्ते पर चलने को प्रेरित कर रही है। उसके हृदय में अनेक महान विभूतियों का वास है। उसके गोद में पले बच्चों को परस्पर सहयोग से रहने के लिए प्रेरणा दे रही है।

III. अनुरूपता :

१. वसीयत : नाटक :: चित्रलेखा : उपन्यास

२. शत-शत : द्विरुक्ति :: हरे-भरे : शब्द युग्म

३. बायें हाथ में : न्याय पताका :: दाहिने हाथ में : ज्ञान दीप

४. हस्त : हाथ :: पताका : झंडा

IV. दोनों खंडों को जोड़कर लिखिए :

अ	आ	उत्तर
१.तेरे उर में शायित	अ.वन-उपवन	ऊ.गाँधी,बुद्ध और राम
२.फल-फूलों से युत	आ.आज साथ में	अ.वन-उपवन
३.एक हाथ में	इ.कितना व्यापक	उ.न्याय पताका
४.कोटि-कोटि हम	ई.शत-शत बार प्रणाम	आ.आज साथ में
५.मातृ-भू	उ.न्याय-पताका	ई.शत-शत बार प्रणाम
	ऊ.गाँधी,बुद्ध और राम	

V.रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :-

१.कवि मातृभूमि को शत-शत बार प्रणाम कर रहे हैं।

२. भारत माँ के उर में गाँधी,बुद्ध और राम शायित हैं।

३.वन,उपवन फल-फूलों से युत है।

४. मुक्त हस्त से मातृभूमि सुख-संपत्ति बाँट रही है।

५.सभी ओर जय-हिन्द का नाद गूँज उठे ।

VI. भावार्थ लिखिए :

एक हाथ में न्याय-पताका,
ज्ञान-दीप दूसरे हाथ में,
जग का रूप बदल दे,हे माँ,
कोटि-कोटि हम आज साथ में।
गूँज उठे जय-हिंद नाद से-
सकल नगर और ग्राम,
मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम।

उत्तर : कवि श्री.भगवतीचरण वर्मा जी भारतमाता के स्वरूप के बारे में वर्णन करते हुए इस प्रकार कहते हैं कि " भारतमाता के एक हाथ में न्याय-पताका है और दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप है। वे माँ से प्रार्थना करते हैं, हे माँ तू जग का रूप बदल दे। आज कोटि-कोटि लोग तुम्हारे साथ में हैं। सकल नगर और ग्राम में जय हिन्द का नाद गूँज उठे। हे माँ तुम्हें शत-शत बार प्रणाम।"

VII. पद्य भाग को पूर्ण कीजिए :

हरे-भरे हैं खेत सुहाने,
फल-फूलों से युत वन-उपवन,
तेरे अंदर भरा हुआ है
खनिजों का कितना व्यापक धन।
मुक्त-हस्त तू बाँट रही है
सुख-संपत्ति, धन-धाम,
मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम।

2.कश्मीरी सेब

https://www.youtube.com/watch?v=8zdHWeoEaZI

https://www.youtube.com/watch?v=Qk1XRD_DljA

[DD Chandana Samveda Class]

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. लेखक चीज़े खरीदने कहाँ गये थे ?

उत्तर : लेखक चीज़े खरीदने चौक में गये थे।

२. लेखक को क्या नज़र आया ?

उत्तर : लेखक को एक दुकान पर बहुत अच्छे रंगदार,गुलाबी सेब सजे हुए नज़र आया।

३.लेखक का जी क्यों ललचा उठा ?

उत्तर : लेखक का जी बहुत अच्छे रंगदार, गुलाबी सेबों को देखकर ललचा उठा।

४. टोमाटो किसका आवश्यक अंग बन गया है ?

उत्तर : टोमाटो भोजन का आवश्यक अंग बन गया है।

५. स्वाद में सेब किससे बढ़कर नहीं है ?

उत्तर : स्वाद में सेब आम से बढ़कर नहीं है।

६. रोज़ एक सेब खाने से किनकी ज़रूरत नहीं होगी ?

उत्तर : रोज़ एक सेब खाने से डाक्टर की ज़रूरत नहीं होगी।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१.आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है ?

उत्तर : आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन के शब्दों में विचार किया जाता है। टोमाटो को पहले कोई भी न पूछता था। अब टोमाटो भोजन का आवश्य्क अंग बन गया है। गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी। अमीर लोग तो उसका हलवा ही खाते थे ; मगर अब पता चला है कि गाजर में भी बहुत विटामिन हैं; इसलिए गाजर को भी मेजों पर स्थान मिलने लगा है।

२. दूकानदार ने लेखक से क्या कहा ?

उत्तर : दूकानदार ने लेखक से कहा कि बाबूजी, बड़े मज़ेदार सेब आए हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।

३.दूकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा ?

उत्तर : दूकानदार ने तराजू उठायी और अपने नौकर से कहा - सुनो, आध सेर कश्मीरी सेब निकाल ला। चुनकर लाना।

४. सेब की हालत के बारे में लिखिए।

उत्तर : लेखक सुबह हाथ-मुँह धोकर जो नाश्ता करने के लिए एक सेब निकाले, तो सड़ा हुआ था। एक रुपए के आकार का छिलका गल गया था। दूसरा निकाला,आधा सड़ा हुआ था। तीसरा सेब निकाला,सड़ा तो न था ; मगर एक तरफ दबकर बिलकुल पिचक गया था। चौथा बेदाग था; मगर उसमें एक काला सुराख था जैसा अक्सर बेरों में होता है ।काटा तो भीतर वैसे ही धब्बे,जैसे बेर में होते हैं। एक सेब भी खाने लायक नहीं था।

III. जोड़कर लिखिए :

अ	ब
१. सेब को रूमाल से बाँधकर	मुझे दिया।
२. फल खाने का समय तो	प्रातःकाल है।
३. एक सेब भी खाने	लायक नहीं।
४. व्यापारियों की साख	बनी हुई थी।

IV.विलोम शब्द लिखिए :

१. शाम x सुबह	९. संदेह x निस्संदेह
२.खरीदना x बेचना	१० साफ xगंदगी
३. बहुत x कम	११. बेईमान x ईमान
४. अच्छा x बुरा	१२. विश्वास x अविश्वास
५.शिक्षितx अशिक्षित	१३. सहयोग xअसहयोग
६. आवश्यक xअनावश्यक	१४. हानी xलाभ
७. गरीब x अमीर	१५. पासx दूर
८. रात x दिन	१६. ग़म xखुश

IV. अनुरूपता :

१. केला : पीला रंग :: सेब : गुलाबी रंग
२. सेब : फल :: गाजर : सब्जी
३. नागपुर : संतरा :: कश्मीर : सेब
४. कपड़ा : नापना :: टोमाटो : तौलना

VI. अन्य वचन लिखिए :

१. चीज़ें - चीज़
२.रास्ता - रास्ते
३. फल - फल
४. घर - घर
५. रुपए - रुपया
६. आँखें - आँख
७. कर्मचारी - कर्मचारियाँ
८. व्यापारी - व्यापारियाँ
९. रेवड़ी - रेवड़ियाँ
१०. दूकान – दूकानें

VII. प्रत्येक शब्द के अंतिम अक्षर से एक और शब्द बनाइए :

उदा : सेब बंदर रंग गरम

१. कान - नमक - कलम - मक्सद - दरवाजा
२. बाज़ार - राम - मर्मस्पर्शी - शरारत - तस्वीर
३. रूमाल - ललकार - रास्ता - तपस्या - यकायक
४. लेखक - किताब - बराबर - रसायन - नयन

VIII. निम्नलिखित वाक्यों को सही क्रम से लिखिए :

१. गाजर गरीबों भी पहले के पेट की चीज़ भरने थी।
गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी।
२. अब चीज़ नहीं है वह केवल स्वाद की।
अब वह केवल स्वाद की चीज़ नहीं है।
३.नहीं लायक खाने भी सेब एक।
एक सेब भी खाने लायक नहीं।
४. मालूम हुई घर आकर अपनी भूल।
घर आकर अपनी भूल मालूम हुई

IX. कन्नड अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए ;

१. गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी ।

ಕೆಂಪುಮೂಲಂಗಿಯೂ ಸಹ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು.

२. दूकानदार ने कहा - बड़े मज़ेदार सेब आये हैं ।

ಅಂಗಡಿಯವನು ಹೇಳಿದನು-ಬಹಳ ಸ್ವಾದಿಷ್ಟವಾದ ಸೇಬುಗಳು ಬಂದಿವೆ.

३. एक सेब भी खाने लायक नहीं ।

ಒಂದು ಸೇಬು ಸಹ ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಗಿರಲಿಲ್ಲ.

४. दूकानदार ने मुझसे क्षमा माँगी ।

ಅಂಗಡಿಯವನು ನನ್ನಿಂದ ಕ್ಷಮೆ ಯಾಚಿಸಿದನು.

3. गिल्लू

https://www.youtube.com/watch?v=qwLAIrJbS5U

[DD Chandana Samveda Class]

I . एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

१. लेखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा है ?

उत्तर : कौए एक साथ समादरित,अनादरित.अति सम्मानित,अति अवमानित होने के कारण लेखिका ने उसे विचित्र पक्षी कहा है।

२. गिलहरी का बच्चा कहाँ पड़ा था ?

उत्तर : गिलहरी का बच्चा गमले और दीवार की संधि में पड़ा था।

३. लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया ?

उत्तर : लेखिका ने गिल्लू के घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

४. वर्मा जी गिलहरी को किस नाम से बुलाती थीं ?

उत्तर : जी गिलहरी को गिल्लू नाम से बुलाती थीं।

५.गिलहरी का लघु घात किसके भीतर बंद रहता था ?

उत्तर : गिलहरी का लघु घात लंबे लिफाफे के भीतर बंद रहता था।

६. गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था ?

उत्तर : गिलहरी का प्रिय खाद्य काजू था।

७.लेखिका को किस कारण से अस्पताल में रहना पड़ा ?

उत्तर : मोटर - दुर्घटना के कारण लेखिका को अस्पताल में रहना पड़ा।

८.गिलहरी गर्मी के दिनों में कहाँ लेट जाता था ?

उत्तर : गिलहरी गर्मी के दिनों में सुराही पर लेट जाता था।

९.गिलहरियों की जीवनावधि सामन्यतया कितनी होती है ?

उत्तर : गिलहरियों की जीवनावधि सामन्यतया दो वर्ष होती है।

१०. गिलहरी की समाधि कहाँ बनायी गयी है ?

उत्तर : गिलहरी की समाधि सोनजुही लता के नीचे बनायी गयी है ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

१.लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखाई पड़ी ?

उत्तर :लेखिका को गिलहरी इस स्थिति में दिखाई पड़ी कि गमले और दीवार की संधि में छिपा था। वह संभवत: घोंसले से गिर पड़ा था और अब कौए उसमें सुलभ आहार खोज रहे थे। काकद्वय की चोंचों के दो घाव उस लघुप्राण के लिए बहुत थे, अत: वह निश्चेष्ट-सा चिपका पड़ा था।

२.लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाया ?

उत्तर :लेखिका ने गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लायी , फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया । कई घंटे के उपचार के उपरान्त उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया गया।

३.लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?

उत्तर :लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उसके पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती।

२.महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए वह कहाँ-कहाँ छिप जाता था ?

उत्तर :महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए वह (गिल्लू) कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में।

५.गिल्लू ने लेखिका की गैरहाजरी में दिन कैसे बिताये ?

उत्तर :गिल्लू ने लेखिका की गैरहाजरी में जब कोई कमरे का दरवाजा खोला जाता, अपने झूले से उतरकर दौड़ता और किसी दूसरे को देखकर तेजी से अपने घोंसले में जा बैठता। सब उसे काजू दे जाते,परन्तु वह उन्हें नहीं खाया था।

III. पाँच– छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. गिल्लू के कार्य-कलाप के बारे में लिखिए।

उत्तर :लेखिका ने फूल रखने की एक हल्की डलिया में रुई बिछाकर उसे तार से खिड़की पर लटका दिया। वही दो वर्ष गिल्लू का घर रहा। वह स्वयं हिलाकर अपने घर में झूलता और अपनी काँच के मनकों-सी आँखों से कमरे के भीतर और खिड़की से बाहर न जाने क्या देखता-समझता रहता था। परन्तु उसकी समझदारी और कार्य-कलाप पर सबको आश्चर्य होता था।

२. लेखिका ने गिलहरी को क्या- क्या सिखाया ?

उत्तर :लेखिका जैसे ही खाने के कमरे में खाना खाने जाती गिलहरी खिड़की से निकलकर आँगन की दीवार बरामदा पार करते हुए मेज़ पर पहुँच जाता था। लेखिका ने गिलहरी को थाली के पास बैठना सिखाया । उनकी थाली में से चावल का एक-एक कौर उठाकर खाना भी गिलहरी को लेखिका ने सिखाया।

३. गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए :

उत्तर :गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अतः गिल्लू की जीवन–यात्रा का अंत आ ही गया। दिन भर उसने न कुछ खाया, न बाहर गया। पंजे ठंडे हो गये,लेखिका ने जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।

४. गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए।

उत्तर :महादेवी वर्मा के पास अन्य अनेक पशु-पक्षी थे। उनमें से लेखिका को गिल्लू से ज्यादा लगाव था। गिल्लू लेखिका की थाली में खाना खाने का साहस भी करता था। जबकि अन्य प्राणी उनसे डरते थे।काक की चोंचों के दो घाव उस लघुप्राण के लिए बहुत थे, अतः वह निश्चेष्ट-सा चिपका पड़ा था। लेखिका ने गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लायी , फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया । कई घंटे के उपचार के उपरान्त उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया गया । फूल रखने की एक हल्की डलिया में रुई बिछाकर उसे तार से खिड़की पर लटका दिया। अंतिम दिनों में पंजे ठंडे हो गये,लेखिका ने जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता वात्सल्यमय प्रेम था।

IV. रिक्त स्थान भरिए :

१. यह काकभुशुंड़ी भी विचित्र पक्षी है।

२. उसी बीच मुझे मोटर-दुर्घटना में आहत होकर कुछदिन अस्पताल में रहना पड़ा।

३. गिल्लू की जीवन का अंत आ ही गया।

४. मेरे पास बहुत पशु-पक्षी हैं।

५. गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत आया।

V.अनुरूप शब्द लिखिए :

१.1907 : महादीवी वर्मा जी का जन्म :: 1987 : महादेवी वर्मा जी का निधन

२. गुलाब : पौधा :: सोनजुही : लता

३. हंस : सफेद :: कौआ : काला

४. बिल्ल्ली : म्याऊँ-म्याऊँ :: गिल्लू : चिक-चिक

५. कोयल : मधुर स्वर :: कौआ : कर्कष स्वर

VI. कन्नड में अनुवाद कीजिए :

१. कई घंटे के उपचार के उपरांत मुँह में एक बूँद पानी टपकाया ।

ಅನೇಕ ಘಂಟೆಗಳ ಆರೈಕೆಯ ನಂತರ ಬಾಯಿಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರನ್ನು ಚಿಮುಕಿಸಲಾಯಿತು.

२. बड़ी कठिनाई से मैंने उसे थाली के पास बैठना सिखाया ।

ಬಹಳ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ನಾನು ಅದಕ್ಕೆ ತಟ್ಟೆಯ ಬಳಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ.

३. गिल्लू मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता था।

ಗಿಲ್ಲೂ ನನ್ನ ಬಳಿ ಇಟ್ಟಿದ್ದ ಹೂಜೆಯ ಮೇಲೆ ಮಲಗಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿತ್ತು.

४. दिन भर गिल्लू ने न कुछ खाया, न बाहर गया।

ದಿನವೆಲ್ಲಾ ಗಿಲ್ಲೂ ಏನನ್ನೂ ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ, ಹೊರಗಡೆಯೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.

VII.दिए गए सही स्त्रीलिंग शब्दों को चुनकर संबद्ध पुल्लिंग शब्द के आगे लिखिए :-

(मयूरी,लेखिका,श्रीमती,कुतिया)

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
१. लेखक	- लेखिका
२.श्रीमान	- श्रीमती
३. मयूर	- मयूरी
४.कुत्ता	- कुतिया .

VIII. खाली स्थान भरिए :-

एकवचन बहुवचन

१.उँगली - उँगलियाँ

२.आँख - आँखें

३. पूँछ - पूँछें

४.खिड़की - खिड़कियाँ

५.फूल - फूल

६.पंजा - पंजे

७.लिफाफा- लिफाफे

८.कौआ - कौए

९.गमला - गमले

१०.घोंसला - घोंसले

IX. उदाहरणानुसार प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए :-

१. चिपकना - चिपकाना - चिपकवाना
लिखना - लिखाना - लिखवाना
मिलना - मिलाना - मिलवाना
चलना - चलाना - चलवाना

३. सोना - सुलाना - सुलवाना
रोना - रुलाना - रुलवाना
धोना - धुलाना - धुलवाना
खोलना - खुलाना - खुलवाना

४. पीना - पिलाना - पिलवाना
सीना - सिलाना - सिलवाना
सीखना - सिखाना – सिखवाना

५.माँगना - मँगाना - मँगवाना
बाँटना - बँटाना - बँटवाना
माँझना - मँझाना - मँझवाना
जाँचना - जँचाना -जँचवाना

X.विलोमार्थक शब्द लिखिए :-

निकट x दूर

१.दिन x रात

२.भीतर x बाहर

३.चढ़ना x उतरना

४. विश्वास x अविश्वास

उत्तीर्ण - अनुत्तीर्ण

१.उपयोगी x अनुपयोगी

२.उपस्थितिx अनुपस्थिति

३.उचित x अनुचित

४. ईमान x बेईमान

१.प्रिय x अप्रिय १.होश x बेहोश

२.संतोष x असंतोष २.खबर x बेखबर

३.स्वस्थ x अस्वस्थ ३.चैन x बेचैन

बलवान - बलहीन धन निर्धन

१. बुद्धिमान - बुद्धिहीन १.जन - निर्जन

२. शक्तिमान - शक्तिहीन २.बल - निर्बल

३. दयावान - दयाहीन ३.गुण - निर्गुण

XI. समानार्थक शब्दों को चुनकर लिखिए :-

(खाना, शरीर, चिकित्सा, इलाज, देह, तलाश, भोजन, साहस, अचरच, धैर्य, ढूँढ, आश्चर्य)

उदा: उपचार चिकित्सा इलाज

१.गात = शरीर = देह

२. आहार = खाना = भोजन

३.विस्मय = अचरच = आश्चर्य

४.हिम्मत = साहस = धैर्य

५.खोज = तलाश = ढूँढ

XII.कारक का नाम लिखिए

उदा: गमले के चारों ओर -संबंध कारक

१.मुँह में एक बूँद पानी - अधिकरण कारक

२.गिल्लू को पकड़कर - कर्म कारक

३. जीवन का प्रथम वसंत - संबंध कारक

४. खिड़की की खुली जाली - संबंध कारक

५. मैंने कीलें निकालकर - कर्ता कारक

६.झूले से उतरकर अपादान कारक

७. सुराही पर लेट जाता - अधिकरण कारक

८.कुछ पाने के लिए - संबंध कारक

XIII. दी गयी शब्द -पहेली से पशु-पक्षियों के नाम ढूँढकर लिखिए :

मो कु म यू र	१. मोर
र त्ता ग रु ड	२. मयूर
हं क बू त र	३. कुत्ता
स बि ल्ली कौ आ	४. गरुड
	५. हंस
	६. कबूतर
	७. बिल्ली
	८. कौआ

भाषा ज्ञान

II. संधि विच्छेद करके लिखिए :

तल्लीन - तत + लीन

चिदानंद - चित + आनंद

दिगम्बर - दिक + अम्बर

सज्जन - सत + जन

सद्गति - सत + गति

III. स्वर संधि और व्यंजन संधि के शब्दों की सूची बनाइए :

सदाचार, गिरीश, वागीश, इत्यादि, सदैव, नयन, जगन्नाथ, महोत्सव, षड्दर्शन, जगन्मोहन

स्वर संधि	व्यंजन संधि
सदाचार	जगन्नाथ
गिरीश	वागीश,
इत्यादि	षड्दर्शन,
सदैव	जगन्मोहन
नयन,	
महोत्सव,	

4. अभिनव मनुष्य

https://www.youtube.com/watch?v=H3NmOfVlmak

[DD Chandana Samveda Class]

I . एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. आज की दुनिया कैसी है?

उत्तर :आज की दुनिया विचित्र और नवीन है ।

२. मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है?

उत्तर :मानव के हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता और उतरता है।

३. परमाणु किसे देखकर काँपते हैं?

उत्तर :परमाणु मानव के करों को देखकर काँपते हैं।

४. "अभिनव मनुष्य" कविता के कवि का नाम लिखिए।

उत्तर : "अभिनव मनुष्य" कविता के कवि का नाम श्री रामधारी सिंह "दिनकर"जी है।

५. आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है?

उत्तर :आधुनिक पुरुष ने प्रकृति पर विजय पायी है।

६. नर किन-किनको एक समान लाँघ सकता है?

उत्तर :नर नदी, सरिता,और सागर को एक समान लाँघ सकता है।

७. आज मनुष्य का यान कहाँ जा रहा है?

उत्तर :आज मनुष्य का यान गगन में जा रहा है।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१."प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन"- इस पंक्ति का आशय समझाइए।

उत्तर:कवि दिनकर जी कहते हैं कि-आज मनुष्य प्रकृति के हर तत्वों पर अपना विजय पा लिया । जैसे पानी,विद्युत,भाप को अपने पैसे में दबा रखा है । पवन तथा ताप पर भी अपना हुक्म चला रहा है।

२. दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है?

उत्तर :दिनकरजी के अनुसार मानव का सही परिचय यह है कि दिनकजी इस कविता व्दारा यह संदेश देना चाहते हैं कि आज के मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है । किन्तु विडंबना यह है कि,उसने स्वयं को नहीं पहचाना,अपने भाईचारे को नहीं समझा । प्रकृति पर विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है,मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध-बाँधना मानव की सिद्धि है। जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोडकर आपस की दूरी को मिटाए,वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा।

३. इस कविता का दूसरा कौन सा शीर्षक हो सकता है ? क्यों ?

उत्तर :इस कविता का शीर्षक जो दिनकर जी दिए हैं-'अभिनव मनुष्य' सार्थक-शीर्षक है। अगर दूसरा शीर्षक 'प्रकृति और मानव; दे सकते हैं । क्योंकि प्रकृति पर विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है,मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धि है।

III. भावार्थ लिखिए :

यह मनुज, जो सृष्टि का श्रृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार ।
व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय,
पर, न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय ।

उत्तर :प्रस्तुत इस पद्यभाग को श्री.रामधारीसिंह दिनकर जी से रचित 'अभिनव मनुष्य ' नामक कविता से लिया गया है। इन्हें 'कुरुक्षेत्र ' के षष्ठ सर्ग से लिया गया है। कवि मानव आज किस प्रकार प्रकृति पर अपना अधिकार जमा लिया है,इसके बारे में वर्णन करते हुए इस प्रकार कह रहे हैं कि यह मनुष्य जिसने प्रकृति का श्रृंगार किया है, ज्ञान, विज्ञान का प्रकाश सारे जगह फैलाया। आकाश से पाताल तक विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है। पर उसने मानव को न पहचाना। अपने भाईचारे को नहीं समझा।

IV. उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए :

उदा : नवीन – आसीन

१.भाप - ताप २.व्यवधान – समान ३.श्रृंगार – आगार ४.श्रेय – ज्ञेय ५ जीत - प्रीत

V. पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :

आज की दुनिया विचित्र, नवीन ;
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन।
है बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।

VI. पर्यायवाची शब्द लिखिए :

१. दुनिया-जगत-संसार २. विचित्र-अजीब-आश्चर्य ३. नवीन-नया-अभिनव
४. नर-मानव-आदमी ५. वारि-जल-पानी ६. कर-हाथ-हस्त ७. आगार-घर-मकान

VI. विलोम शब्द लिखिए :

१.आजxकल २.नवीनxप्राचीन ३.पुरुषxस्त्री ४.नरxनारी ५.चढ़ताxउतरता
६.समानxअसमान ७.ज्ञानxअज्ञान ८.जीतxहार ९.असीमितxसीमित १०.तोड़xमोड

VIII. एक शब्द लिखिए :

जैसे : सभी जगहों में – सर्वत्र १. आसन पर बैठा हुआ - आसीन
२. बचा हुआ – बचत ३. मनु की संतान - मनुष्य
४. विशेष ज्ञान – विज्ञान ५. अधिक विद्या प्राप्त - विद्यावान

IX. अनुरूप शब्द लिखिए :

१. गिरि : पहाड़ :: वारि : जल २. पवन : वायु :: सिंधु : समुद्र
३. ज़मीन : आसमान :: आकाश : भूमि ४. नर : आदमी :: उर : हृदय

5.मेरा बचपन

https://www.youtube.com/watch?v=rgfRgf-bHPc

https://www.youtube.com/watch?v=YRmVC3xIkHQ

[DD Chandana Samveda Class]

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१.अब्दुल कलाम जी का जन्म कहाँ हुआ ?

उत्तर :अब्दुल कलाम जी का जन्मतमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ।

२.अब्दुल कलाम जी बचपन में किस घर में रहते थे ?

उत्तर :अब्दुल कलाम जी बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

३.अब्दुल कलाम जी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी ?

उत्तर :अब्दुल कलाम जी के बचपन में दुर्लभ वस्तु पुस्तकें थीं।

४.जैनुलाबदीन ने कौन-सा काम शुरु किया ?

उत्तर :जैनुलाबदीन ने लकड़ी की नौकाएँ बनाने का काम शुरु किया।

५.अब्दुल कलाम जी के चचेरे भाई कौन थे ?

उत्तर :अब्दुल कलाम जी के चचेरे भाई शम्सुद्दीन थे।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने का कारण लिखिए।

उत्तर : अब्दुल कलाम के पिताजी आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी अनावश्यक एवं ऐशो-आरामवाली चीज़ों से दूर रहते थे। पर घर में सभी आवश्यक चीज़ें समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं। इसलिए अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता।

२. आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को खाने में क्या-क्या देती थीं ?

उत्तर : आशियम्मा जी अब्दुल कलाम के सामने केले का पत्ता बिछातीं और फिर उस पर चावल एवं सुगंधित,स्वादिष्ट सांबार डालती; साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताज़ी चटनी भी देती थीं।

३. जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में क्या कहते थे ?

उत्तर :जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते थे कि- 'जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो; जिसमें दौलत,आयु,जाती या धर्म-पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।

४. जैनुलाबदीन ने कौन-सा काम शुरु किया ?

उत्तर :जैनुलाबदीन ने लकड़ी की नौकाएँ बनाने का काम शुरु किया। ये नौकाएँ तीर्थयात्रियों को रामेश्वरम से धनुषकोडि (सेतुक्करई भी कहा जाता है) तक लाने-ले जाने के काम आती थीं। एक स्थानीय ठेकेदार अहमद जलालुद्दीन के साथ समुद्र तट के पास नौकाएँ बनाने लगे।

III. चार या पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. शम्सुद्दीन अखबारों के वितरण का कार्य कैसे करते थे ?

उत्तर :रामेश्वरम में अखबारों के एकमात्र वितरक थे। अखबार रामेश्वरम स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुँचते थे, जो पामबन से आती थी। इस अखबार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे। रामेश्वरम में अखबारों की जुमला एक हज़ार प्रतियाँ बिकती थीं।

IV. इन मुहावरों पर ध्यान दीजिए :

१.पौ फटना = प्रभात होना

२.काम आना = काम में आना, इस्तेमाल होना

V. अन्य वचन रूप लिखिए :

१.बच्चा-बच्ची २.गली-गलियाँ ३.केला-केले ४.नौका-नौकाएँ ५.प्रतियाँ-प्रति ६.पुस्तकें-पुस्तक

VI. विलोम शब्द लिखिए :

१.बहुतxकम

२.शामxसुबह

३.सफलxअसफल

४.अच्छाxबुरा

५.बड़ाxछोटा

६.अपनाxपराया

VII. जोड़कर लिखिए :

A	B	उत्तर
१. मेरे पिता ——▶	चचेरे भाई ——▶	जैनुलाबदीन
२. मद्रास राज्य ——▶	अंतरंग मित्र ——▶	तमिलनाडु
३. शम्सुद्दीन ——▶	रामानंद शास्त्री ——▶	चचेरे भाई
४. अहमद जलालुद्दीन ——▶	जैनुलाबदीन ——▶	अंतरंग मित्र
५. पक्का दोस्त ——▶	तमिलनाडु ——▶	रामानंद शास्त्री

VIII. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

१. आशियम्मा उनकी आदर्श जीवनसंगिनी थीं।
२. रामेश्वरम प्रसिद्ध तीर्थस्थल है।
३. पुजारी पक्षी लक्ष्मण शास्त्री मेरे पिताजी के अभिन्न मित्र थे।
४. अखबार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे।
५. अहमद जलालुद्दीन की कलाम की बड़ी बहन ज़ोहरा के साथ शादी हो गई।

IX. अनुरूपता :

१.गाँधीजी : राष्ट्रपिता :: अब्दुल कलाम : राष्ट्रपति
२.जलालुद्दीन : जीजा :: शम्सुद्दीन : चचेरे भाई
३. ट्रेन : भू-यात्रा :: नौका : जल-यात्रा
४. हिंदू : मंदिर :: इस्लाम : मसजिद

X. सही शब्द से खाली स्थान भरिए :

१. अब्दुल कलाम का जन्म रामेश्वरम में हुआ।
अ) चेन्नै आ) बेंगलूरु इ) रामेश्वरम ई) श्रीरंगम
२. रामेश्वरम में प्रतिष्ठित शिव मंदिर है।
अ) विष्णु आ) अय्यप्पा इ) हनुमान ई) शिव
३. जैनुलाबदीन की दिनचर्या पौ फटने के पहले शुरु होती थी।
अ) पौ फटने आ) सूर्यास्त इ) दोपहर ई) शाम
४. अहमद जलालुद्दीन अब्दुल कलाम को आज़ाद कहकर पुकारा करते थे।
अ) अब्दुल आ) आज़ाद इ) राष्ट्रवादी ई) कलाम

XI. वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

जीवन संगिनी - सीतादेवी श्रीराम की आदर्श जीवन संगिनी थीं।

२. पुश्तैनी - अब्दुल कलाम जी बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

३. प्रसिद्ध - रामेश्वरम प्रसिद्ध तीर्थेस्थल है।

४. दिनचर्या - हमारी दिनचर्या पौ फटने के पहले शुरु होना चाहिए।

५. संतुष्टि - जिस काम को मन लगाकर करते उससे संतुष्टि मिलता है

XII. पर्यायवाची शब्द लिखिए :

१.घर=मकान

२.बुनियाद=नींव

३.शाम=सायंकाल

४.शरीर=देह

५.दोस्त=मित्र

भाषा ज्ञान

I. उदाहरण के अनुसार प्रेरणार्थक क्रिया शब्दों को लिखिए :

उदा:पढ़ना - पढ़ाना

१. देखना - दिखाना २. सुनना - सुनाना ३. करना - कराना ४. जगना - जगाना

५. भेजना – भिजाना ६. चलना - चलाना ७. बैठना - बिठाना ८. रोना - रुलाना

९. धोना - धुलाना १०. देना - दिलाना

II. उदाहरण के अनुसार प्रेरणार्थक शब्दों की सहायता से पाँच वाक्य बनाइए :

उदा : अध्यापक कहानी सुनाते हैं।

१. छात्र पाठ पढ़ाता है। २. माँ बच्चे को दूध पिलाती है। ३. शिक्षक पाठ पढ़ाते हैं।

४. लड़का हँसाता है। ५. लड़की नृत्य कराती है।

6.बसंत की सच्चाई

https://www.youtube.com/watch?v=VGziWz2Fsqg

https://www.youtube.com/watch?v=J6N-X60Ime4

[DD Chandana Samveda Class]

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए |

१.बसंत क्या-क्या बेचता था ?

उत्तर :बसंत बटन,दियासलाई,छलनी आदि बेचता था।

२.बसंत के भाई का नाम क्या था ?

उत्तर :बसंत का भाई का नाम प्रताप था।

३.पंडित राजकिशोर क्या काम करते थे ?

उत्तर :पंडित राजकिशोर मजदूरों के नेता थे।

४.छलनी का दाम क्या था ?

उत्तर :छलनी का दाम दो आना था ।

५.बसंत और प्रताप कहाँ रहते थे ?

उत्तर :बसंत और प्रताप भीखूँ अहीर के घर में रहते थे।

६.बसंत की सच्चाई एकांकी में कितने दृश्य हैं ?

उत्तर :बसंत की सच्चाई एकांकी में तीन दृश्य हैं।

७.एकांकी का प्रथम दृश्य कहाँ घटता है ?

उत्तर : एकांकी का प्रतम दृश्य बाज़ार में घटता है।

८.बसंत के घर पर डाक्टर को कौन ले आता है ?

उत्तर :बसंत के घर डाक्टर को अमरसिंह ले आता है।

९.पं.राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण क्या है ?

उत्तर :पं.राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण ईमानदार है।

१०.पं राजकिशोर कहाँ रहते थे?

उत्तर :पं.राजकिशोर किशनगंज में रहते थे।

II. दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

१. छलनी से क्या-क्या छान सकते हैं ?

उत्तर :छलनी रसोईघर में काम आनेवाला एक मुख्य वस्तु है। इसके व्दारा हम पानी,दूध, आदि छान सकते हैं। साथ में चाय भी छान सकते हैं।

२.बसंत राजकिशोर से क्या विनती करता है ?

उत्तर :बसंत राजकिशोर से इस प्रकार विनती करता है कि साहब ! बटन लीजिए, देसी बटन। दियासलाई लीजिए। छलनी लीजिए,जिससे पानी,दूध,चाय आदि छान सकते हैं। सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका। आपसे आशा थी। साहब एक तो ले लीजिए।

३.बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है ?

उत्तर :बसंत स्वाभिमान बालक था। वह किसी से पैसा लेना भीख के समान मानता था ।इसलिए वह राजकिशोर से दो पैसे लेने से इनकार करता है।

४. बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा ?

उत्तर :बसंत एक रुपए नोट का चिल्लर लेकर आ रहा था । उसी समय वह मोटर के नीचे कुचल गया था। इसलिए बसंत राजकिशोर के पास नहीं लौटा ।

५. प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया ?

उत्तर :बसंत राजकिशोर को साढ़े चौदह आना देना था। वह भुना लेकर वापस आते समय मोटर के नीचे आ गया था । इसलिए उनके पैसे वापस देने के लिए प्रताप को भेजा था ।

६. बसतं ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए किस तरह प्रेरित किया ?

उत्तर :बसंत ने राजकिशोर से कहा कि, साहब छलनी की कीमत सिर्फ दो आना है। उसका सबेरे से कुछ नहीं बिका था, उनसे उसे पूरी आशा थी कि वे अवश्य कुछ खरीदेंगे। छलनी की कीमत कम कर छः पैसे में भी देने को तैयार था। इस तरह बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए प्रेरित करता है।

७.बसंत के पैर देखकर डाक्टर ने क्या कहा?

उत्तर :बसंत के पैर देखकर डाक्टर ने कहा कि लगता है, पैर की हड्डी टूट गयी है। दूसरा पैर ठीक है। तुरंत अस्पताल ले जाना होगा।

III. चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

१. बसंत ईमानदार लड़का है। कैसे ?

उत्तर :बसंत अपने मेहनत से पैसे कमाना चाहता था। एक दिन उसका सामान बिक नहीं पाया। उसने राजकिशोर से आग्रह किया कि कम से कम एक छलनी तो खरीद लें। उसका आग्रह मानकर वे एक छलनी की कीमत के लिए एक रुपये का नोट दिया। बसंत के पास चिल्लर न होने के कारण वह भुनाने गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शाम को अपने भाई के हाथ में राजकिशोर का बाकी पैसा वापस कराया। इस तरह हम कह सकते हैं कि बसंत एक ईमानदार लड़का है।

२.बसंत और प्रताप अहीर के घर में क्यों रहते हैं ?

उत्तर ::बसंत और उसका छोटा भाई प्रताप अनाथ थे। उनके घर में और कोई नहीं था। उनके माता-पिता को दंगों के समय में किसी ने मार डाला था। बसंत ईमानदार तथा स्वाभिमान बालक था। वह किसी से भीख माँगकर जीवन बिताना नहीं चाहता था। वह खुद सामान बेचकर पैसा कमाता था। इसलिए वे भीखू अहीर के घर में रहते थे।

३.राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए।

उत्तर :पं.राजकिशोर मजदूरों के नेता थे। वे गरीबों के प्रति हमदर्दी दिखाते थे। मानवीय दृष्टि से उन्होंने बसंत का सामान खरीदा। जब उसको पता चलता है कि बसंत मोटर गाड़ी के नीचे कुचल गया है,तो वह तुरंत डाक्टर को फोन करके बुला लाता है और सारा खर्च खुद भर लेता है। चोट ज्यादा लगने पर एम्बुलेंस बुलाकर उसे अस्पताल में भर्ती कराता है। यह उसके मानवीय व्यवहार का परिचय है।

IV. अनुरूपता :

१. पं.राजकिशोर : किशनगंज :: बसंत : भीखू अहीर का घर

२. पं. राजकिशोर : मजदूरों के नेता :: बसंत : एक गरीब शरणार्थी लड़का

३. पं.राजकिशोर : मालिक :: अमरसिंह : नौकर

४. प्रताप : छोटा भाई :: वर्मा : डॉक्टर

५. ? : प्रश्नार्थक :: ! : विस्मयादिबोधक चिन्ह

V .रिक्त स्थान भरिए :-

१. मैं अभी बाज़ार से भुना लाता हूँ।

२. मैं आपके साड़े चौदह आने लाया हूँ।

३. हम दोनों भीखूँ अहीर के घर में रहते हैं।

४. मैं एम्बुलेंस के लिए फोन कर आता हूँ।

५. इसमें एक दुर्लभ गुण है, यह ईमानदार है।

VI.निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार लिखिए :-

१.एक छलनी में तुम्हें क्या बचेगा ? (वर्तमानकाल में)

एक छलनी में तुम्हें क्या बचता है।

२. मैं अभी बाज़ार से भुना लाता हूँ। (भूतकाल में)

मैं बाज़ार से भुना लाया था।

३. एक दूसरे व्यक्ति से पूछता है। (भविष्यतकाल)

एक दूसरे व्यक्ति से पूछेगा।

VII.विलोमार्थक शब्द लिखिए :

१. पीछे x आगे २. खरीदना x बेचना ३.लेना x देना

४.आना x जाना ५.शांति x अशांति ६. गरीब x अमीर

VIII. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

१. उसकी आयु लगभग 12 वर्ष की है।

ಅವನ ವಯಸ್ಸು ಸುಮಾರು 12 ವರ್ಷಗಳು.

२. सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका।

ಬೆಳಿಗ್ಗೆಯಿಂದ ಈವರೆಗೆ ಸ್ವಲ್ಪವೂ ಮಾರಾಟವಾಗಿಲ್ಲ.

३. मैं भीख नहीं लूँगा।

ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ.

४. बड़ी मुश्किल से बसंत को घर ले गए।

ಬಹಳ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ಬಸಂತನನ್ನು ಮನೆಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು.

५. बसंत ओठ भींचकर आह खींचता है।

ಬಸಂತನು ತುಟಿಯನ್ನು ಕಚ್ಚಿ ನೋವನ್ನು ಎಳೆದುಕೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದನು.

६. यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है।

ಇವನು ಬಡವನು ಆದರೆ ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ದುರ್ಲಭವಾದ ಗುಣವಿದೆ.

I. लिंग पहचानकर अलग-अलग सूची बनाइए और उनके अन्य लिंग शब्द लिखिए :

लड़का, बच्ची, दुबला, पतला, थैली, साहिबा, भाई, माँ, डॉक्टर, पंडिताइन

पुल्लिंग स्त्रीलिंग

उदा: १. लड़का - लड़की २. बच्चा - बच्ची

३. दुबला - दुबल ४. पतला - पतली

५.थैला - थैली ६. साहिब - साहिबा

७.भाई - बहन ८.बाप - माँ

९.डॉक्टर- डॉक्टर १०.पंडित - पंडिताइन

II. रेखांकित शब्द का वचन पहचानिए और उस शब्द का अन्यवचन रूप लिखिए :

उदा : राजक्किशोर पर इस बात का बड़ा असर होता है। बातें

१. फिर वे जेब टटोलते हैं। जेबें

२.अंदर से आवाज़ आती है। आवाज़

३.एक लड़के की टाँगें मोटर के नीचे कुचली गई हैं। टाँग

४.बसंत आँखें बंद कर लेता है। आँख

५.लोग अपने-अपने घर लौट रहे हैं। घर

६.लोग घर की ओर लौट रहे हैं। लोग

७.मजदूरों की बस्ती में राजकिशोर का मकान है। मकान

८.बसंत के दोनों पैर कुचले गए। पैर

९.मेरे पास पैसे नहीं है। पैसा

१०.उसका कपड़ा फटा है। कपड़े

११.राजकिशोर खिड़की से झाँकते हैं। खिड़कियाँ

१२.बसंत के पैर की हड्डी टूट गयी है। हड्डियाँ

III. रिक्त स्थान भरिए :

समस्त पद	विग्रह वाक्य	समास का भेद
उदा: बेहोश	होश जिसमें न हो	अव्ययीभाव समास
१. सुविधानुसार	जो सुविधा के अनुसार हो	तत्पुरुष समास।
२. दुबला-पतला	जो बहुत दुबला-पतला है	व्दंव्द समास
३.नीला परदा	नीले रंगवाला परदा	तत्पुरुष समास
४.पंद्रह मिनट	पंद्रह मिनट का समय	व्दिगु समास
५.लंगडा	टूटे है पैर जिसके	बहुर्वीही समास

7.तुलसी के दोहे

https://www.youtube.com/watch?v=p8i2tlUfZiU

https://www.youtube.com/watch?v=GpepVk22Lx4

[DD Chandana Samveda Class]

I.एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. तुलसीदास मुख को क्या मानते हैं ?

उत्तर :तुलसीदास मुख को मुखिया मानते हैं ।

२.मुखिया को किस के समान रहना चाहिए?

उत्तर :मुखिया को मुख के समान रहना चाहिए।

३.हंस का गुण कैसा होता है।

उत्तर :हंस का गुण विकारों को छोड़कर अच्छे गुणों को अपनाने का होता है।

४.मुख किसका पालन-पोषण करता है?

उत्तर :मुख सारे शरीर का पालन-पोषण करता है।

५.दया किसका मूल है?

उत्तर :दया धर्म का मूल है।

६. तुलसीदास किस शाखा के कवि हैं?

उत्तर :तुलसीदास भक्तिकाल की रामभक्ति शाखा के कवि हैं।

७. तुलसीदास के माता-पिता का नाम क्या था?

उत्तर :तुलसीदास के पिता का नाम आत्माराम और माता का नाम हुलसी थे।

८. तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था?

उत्तर :तुलसीदस के बचपन का नाम रामबोला था।

९.पाप का मूल क्या है?

उत्तर :पाप का मूल अभिमान है।

१०.तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी कौन हैं?

उत्तर :तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी हैं विद्या, विनय, विवेक, साहस, अच्छा कार्य, सत्य बोलना और भगवान राम पर भरोसा रखना ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१.मुखिया को मुख के समान होना चाहिए।कैसे?

उत्तर :मुखिया मुख के समान होना चाहिए । जिस प्रकार मुँह खाने पीने का काम अकेले करता है,लेकिन वह जो खाता-पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है। तुलसीदास जी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।

२.मनुष्य को हंस की तरह क्या करना चाहिए?

उत्तर :तुलसीदास जी संत की हंस पक्षी के साथ तुलना करते हुए उसके स्वभाव का परिचय देते हैं- सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड़, चेतन और गुण-दोष से मिलाकर बनाया है। अर्थात इस संसार में अच्छे-बुरे (सार-निस्सार) समझ-नासमझ के रूप में अनेक गुण-दोष भरे हुए हैं, लेकिन हंस रूपी साधु लोग पानी रूपी विकारों को छोड़कर दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाते हैं।

३.मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश कब फैलता है?

उत्तर :तुलसीदास जी कहते हैं कि जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है, जिससे मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश फैलता है।

III. अनुरूपता :

१.दया : धर्म का मूल :: पाप : अभिमान का मूल

२.परिहरि : त्यागना :: करतार : सृष्टिकर्ता

३.जीह : जीभ :: देहरी : देहलीज़

IV.भावार्थ लिखिए :

१.मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान को एक।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक॥

उत्तर :प्रस्तुत दोहे में श्री तुलसीदस जी मुख अर्थात मुँह और मुखिया दोनों के स्वभाव की समानता दर्शाते हुए लिखते हैं कि मुखिया को मुँह के समान होना चाहिए। मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता-पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है। तुलसीदास जी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।

२.तुलसी साथी विपत्ति के विद्या विनय विवेक।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत राम भरोसो एक॥

उत्तर :श्री तुलसीदास जी प्रस्तुत दोहे में विपत्ति में हमारे साथी के बारे में वन करते हुए इस प्रकार कह रहे हैं कि मनुष्य पर जब विपत्ति पड़ती है तब विद्या, विनय तथा विवेक ही उसका साथ निभाते हैं। विपत्ति आने पर हमें साहसी बनकर उसका सामना करना चाहिए। अच्छा कार्य करना तथा सदा सत्य बोलते रहना चाहिए। भगवान अर्थात राम पर भरोसा करना चाहिए। ये सब हमको विपत्ति से छुटकारा दिलानेवाले हैं।

VI. जोड़कर लिखिए :

अ	ब	उत्तर
१. विश्व कीन्ह	विकार	करतार
२. परिहरि वारि	करतार	विकार
३. जब लग घट	राम भरोसो एक	में प्राण
४. सुसत्यव्रत	में प्राण	राम भरोसो एक

VII. पूर्ण कीजिए :

१. मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान को एक।
२. पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।
३. राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार।
४. तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार।

VIII. उचित विलोम शब्द पर सही( ) का निशान लगाइए :

१. विवेक	सेवक	अविवेक √
२. दया	निर्दया √	शुभोदया
३. धर्म	मर्म	अधर्म √
४. विकार	अविकार √	संस्कार
५. विनय	सविनय	अविनय√

8.इंटरनेट – क्रांति

https://www.youtube.com/watch?v=VFIbBbL03Qc
https://www.youtube.com/watch?v=6Oe3domhOSU
[DD Chandana Samveda Class]

I.एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१.इंटरनेट का अर्थ क्या है ?

उत्तर :इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

२.सूचना और संचार के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है ?

उत्तर :सूचना और संचार के क्षेत्र इंटरनेट के बिना ठप पड़ जाते है।

३.इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकता है ?

उत्तर :इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

४.प्रगतिशील राष्ट्र किसके द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रही है ?

उत्तर :प्रगतिशील राष्ट्र ई- गवर्नेन्स द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रही है।

५.समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है ?

उत्तर :समाज के चिकित्सा,कृषि,अंतरिक्ष,ज्ञान,विज्ञान,शिक्षा आदि हर क्षेत्र में इंटरनेट का योगदान है।

६.इंटरनेट- क्रांति का असर किस पर पड़ा है ?

उत्तर :इंटरनेट का असर बड़े बूढों से लेकर छोटे बच्चों तक पड़ा है।

७.आई.टी.ई,एस.का विस्तृत रूप क्या है?

उत्तर :आई.टी.ई.एस.का विस्तृत रूप है इनफारमेशन टैक्नोलजी एनेबल्ड सर्विसेस।

II. दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. इंटरनेट का मतलब क्या है ?

उत्तर :इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है। आज इनसान के लिए खान- पान जितना जरूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक हो गया है।

२. व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है?

उत्तर :इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इससे दुकान जाने और लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बच सकता है। इंटरनेट –बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

३. ई- गवर्नेन्स क्या है?

उत्तर :ई- गवर्नेन्स द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण,अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है ।

III.चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए;

१. संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है?

उत्तर :कुछ साल पहले दूर रहते रिस्तेदार या दोस्तों को कोई खबर देनी पड़ती तो हमें चिट्ठी लिखनी पड़ती थी या दूरभाष का उपयोग करना पड़ता था। इससे समय और पैसे दोनों का अधिक व्यय होता था। लेकिन इंटरनेट द्वारा पल भर में, बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो,वीडियो चित्र हो,दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। चाहो तो पूरे एक पुस्तकालय की किताबों के विषय को कम समय में कहीं भी भेज सकते हैं। इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है। शायद इसके बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं।

२. 'वीडियो कान्फरेन्स' के बारे में लिखिए ।

उत्तर : "वीडियो कान्फरेन्स'द्वारा (काल्पनिक सभागार) एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ ८ - १० दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं। एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार – विनिमय कर सकते हैं।

३."सोशल नेटवर्किंग" एक क्रांतिकारी खोज है । कैसे?

उत्तर : " सोशल नेटवर्किंग" एक क्रांतिकारी खोज है, जिससे दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं, जैसे – फेसबुक, आरकुट, ट्विट्टर, लिंकडइन आदि । इन साइटों के कारण देश – विदेश के लोगों की रहन-सहन, वेश-भूषा,खान-पान के अलावा संस्कृति,कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।

४.इंटरनेट से कौन सी हानियाँ हो सकती हैं?

उत्तर : इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर वह अभिशाप भी है। इंटरनेट की वजह से पैरसी,बैंकिंग फ्राड,हैकिंग (सूचना/खबरों की चोरी) आदि बढ़ रही हैं। मुक्त वेब साइट,चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं। इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं। इसलिए इंटरनेट से सचेत रहना चाहिए

IV. अनुरूपता :

१.दया : धर्म का मूल :: पाप : अभिमान का मूल

२.परिहरि : त्यागना :: करतार : सृष्टिकर्ता

३.जीह : जीभ :: देहरी : देहलीज़

V. जोड़कर लिखिए :

अ	ब	
उत्तर १.इंटरनेट ने पूरे विश्व को	१. बहुत बड़ा वरदान साबित हुआ।	१.एक छोटे गाँव का रूप दे दिया है।
२.इंटरनेट द्वारा कोई भी	२. सचेत रहना चाहिए।	२.बिल भर सकते हैं।
३.इंटरनेट समाज के लिए	३. बिल भर सकते है।	३.बहुत बड़ा वरदान साबित हुआ।
४.इंटरनेट की वजह से	४. एक छोटे गाँव का रूप दे दिया है	४.पैरसी,हैकिंग आदि बढ़ रही है।
५.इंटरनेट से सबको	५. पैरसी, हैकिंग आदि बढ़ रही है।	५.सचेत रहना चाहिए।

VI.कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए :-

१.इंटरनेट एक तरह से विश्वव्यापी कंप्यूटरों का अंतर्जाल है। (अंतर्जाल, बहिर्जाल)

२.आई.टी.ई.एस.से अनगिनत लोगों को रोज़गार मिला है। (कपड़ा, रोज़गार)

३.सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं। (साइड्स, साइट्स)

४.ई.गवर्नेंस से प्रशासन पारदर्शी बन सकता है। (पारदर्शी, अपारदर्शी)

५.इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। (अभयदान, वरदान)

६.देश के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है। (रक्षादलों, पुलिसदलों)

७.इंटरनेट एक ओर वरदान है तो वह अभिशाप भी है। (अपहास, अभिशाप)

VII.कन्नड में अनुवाद कीजिए :

१ इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

ಇಂಟರ್ ನೆಟ್ ಆಧುನಿಕ ಜೀವನಶೈಲಿಯ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣ ಅಂಗವಾಗಿದೆ.

२. इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं।

ಇಂಟರ್ ನೆಟ್ ನ ಮೂಲಕ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡೇ ಕ್ರಯವನ್ನು ಮಾಡಬಹುದು.

३. इंटरनेट की सहायता से बेरोजगारी को मिटा सकते है.

ಇಂಟರ್ ನೆಟ್ ನ ಸಹಾಯದಿಂದ ನಿರುದ್ಯೋಗವನ್ನು ಅಳಿಸಬಹುದು.

VIII. सही विलोम शब्दों को चुनकर लिखिए :

(नामुमकिन.अभिशाप,उपयुक्त,घटना,सदुपयोग,अस्थिर)

१. बढ़ना x घटना　　२.स्थिर x अस्थिर　　३. मुमकिन x नामुमकिन

४. वरदान x अभिशाप　　५.दुरुपयोग x सदुपयोग　　६.अनुपयुक्त x उपयुक्त

IX. अन्यवचन रूप लिखिए :

उदा : पैसा - पैसे　　उदा : खबर - खबरें

१.परदा ——▶	परदे	१.किताब ——▶	किताबें
२.कमरा ——▶	कमरे	२.जगह ——▶	जगहें
३.दायरा ——▶	दायरे	३.कोशिश ——▶	कोशिशें
उदा : युग ——▶	युग	उदा : जिंदगी ——▶	जिंदगियाँ
१.दोस्त ——▶	दोस्त	१.जानकारी ——▶	जानकारियाँ
२.कंप्यूटर ——▶	कंप्यूटर	२.चिट्ठी ——▶	चिट्ठियाँ
३.रिस्तेदार ——▶	रिस्तेदार	३.जीवनशैली ——▶	जीवनशैलियाँ

X. इन वाक्यों में प्रयुक्त विराम चिन्हों का नाम लिखिए :-

१.आज का युग इंटरनेट युग है ।	। पूर्ण विराम चिन्ह
२.इंटरनेट का मतलब क्या है	? प्रश्नवाचक चिन्ह
३.बड़ा अच्छा सवाल है !	! विस्मयादिबोधक चिन्ह
४. .लोगों के साथ विचार-विनिमय कर सकते हैं ।	- योजक चिन्ह
५. हाँ हाँ , दुष्परिणाम हैं।	, अल्प विराम चिन्ह

I. निर्देशानुसार वाक्यों का काल परिवर्तन करके लिखिए :

१.सब पर इंटरनेट-क्रांति का असर पड़ा है ।(भविष्यत काल में)
सब पर इंटरनेट-क्रांति का असर पड़ेगा ।

२.रोहन विस्तृत जानकारी पाना चाहता था । (वर्तमानकाल में)
रोहन विस्तृत जानकारी पाना चाह रहा है ।

३. रोहन कंप्यूटर शिक्षक से प्रश्न पूछेगा । (भूतकाल में)
रोहन कंप्यूटर शिक्षक से प्रश्न पूछता था ।

II. काल पहचानकर लिखिए :

१. इनसानी सोच का दायरा बढ़ रहा है । वर्तमानकाल
२. पिताजी ने रोहन को समझाया । भूतकाल
३. इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है । वर्तमानकाल
४. इंटरनेट सचमुच एक वरदान है । वर्तमानकाल
५. ई-गवर्नेंस से प्रशासन पारदर्शी बनेगा । भविष्यत काल

9. ईमानदारों के सम्मेलन में

https://www.youtube.com/watch?v=qp2f2hR5jVY

[DD Chandana Samveda Class]

I.एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

१.प्रस्तुत कहानी के लेखक कौन हैं?

उत्तर :प्रस्तुत कहानी के लेखक श्री हरिशंकर परसाई जी हैं।

२. लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे?

उत्तर :लेखक दूसरे दर्जे में जाकर पहले दर्जे का एक सौ पचास रुपये लेने के लिए दूसरे दर्जे में सफर करना चाहते थे।

३.लेखक की चप्पलें किसने पहनी थीं?

उत्तर :लेखक की चप्पलें एक ईमानदार डेलिगेट ने पहनी थीं।

४.स्वगत समिति के मंत्री किसको डाँटने लगे ?

उत्तर : स्वागत समिति के मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे।

५.लेखक पहनने के कपड़े कहाँ दबाकर सोये?

उत्तर :लेखक पहनने के कपड़े को सिरहाने दबाकर सोये।

६.सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन-किन को प्रेरणा मिल सकती थी?

उत्तर :सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से ईमानदारों और उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिल सकती थी।

७.लेखक को कहाँ ठहराया गया ?

उत्तर :लेखक को होटल के एक बड़े कमरे में ठहराया गया था।

८.ब्रीफकेस में क्या था?

उत्तर :ब्रीफकेस में कागजात थे।

९.लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था?

उत्तर :लेखक ने धूप का चश्मा कमरे में टेबुल पर रखा था।

१०.तीसरे दिन लेखक के कमरे से क्या गायब हो गया था?

उत्तर :तीसरे दिन लेखक के कमरे से कंबल गायब हो गया था।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१.लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था?

उत्तर :लेखक को भेजे गेये निमंत्रण पत्र में "हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं। आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें। हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास, भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।"

२.फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे ?

उत्तर :स्टेशन पर लेखक का खूब स्वागत हुआ। लगभग दस बड़ी फूल-मालाएँ पहनायी गयीं। फूल-मालाएँ मिलने पर लेखक ने सोचा, आस-पास कोई माली होता तो फूल-मालाएँ बेच लेता।

३.लेखक ने मंत्री को क्या समझाया?

उत्तर :लेखक ने मंत्री को समझाया, "ऐसा हरगिज मत करिये। ईमानदारों के सम्मेलन मेम पुलिस ईमानदारों की तलाशी ले, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी। फिर इतनेबड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।"

४.चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने क्या सुझाव दिया?

उत्तर :चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने सुझाव दिया, "देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारना चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर। तब चप्पलें चोरी नहीं होतीं। एक ही जगह गोड़ी होगी, तो कोई भी पहन लेगा। मैंने ऐसा ही किया था।"

५.लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया?

उत्तर :सम्मेलन में लेखक का सामान सब चोरी हो गया था। ताला तक चोरी हो गया था और अब वे बचे थे। लेखक ने सोचा अगर वे वहाँ ज्यादा समय तक रुकेंगे तो उन्हें हीचोरा लिया जायेगा। इसलिए लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय लिया।

६.मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है?

उत्तर :मुख्य अतिथि को उद्घाटन में उपस्थित होने के लिए पहले दर्जे का किराया, आवास और भोजन की व्यवस्था की जाएगी। वे दूसरे दर्जे से जाकर पहले दर्जे का किराया लेना चाहते थे। इससे मुख्य अतिथि की बेईमानी दिखाई देती है।

III.चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१.लेखक के धूप का चश्मा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए।

उत्तर :लेखक ईमानदारों के सम्मेलन का उद्घाटन करने गये थे। वे हटल के एक कमरे में ठहरे थे। दूसरे दिन बैठक में जाने के पहले वे अपना धूप का चश्मा पहनना चाहते थे लेकिन उन्हें न मिला। बैठक में एक सज्जन आकर लेखक से चश्में के बारे में पूछते हैं। लेखक ने देखा कि उस सज्जन ने उनका चश्मा पहन रखा था। फिर भी उसने इतमीनान से बैठे थे।

२.मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच क्या वार्तालाप हुआ ?

उत्तर :मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटते हुए कहते हैं "तुम लोग क्या करते हो? तुम्हारी ड्यूटी यहाँ पर है। तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही है। यह ईमानदारों का सम्मेलन है। बाहर यह चोरी की बात फैली तो कितनी बदनामी होगी।''कार्यकर्ताओं ने कहा,"हम क्या करें? अगर सम्माननीय डेलीगेट यहाँ-वहाँ जाए, तो हम उन्हें रोक सकते हैं?'' मंत्री ने गुस्से में कहा, "मैं पुलिस को बुलाकर यहाँ सबकी तलाशी करवाता हूँ।" एक कार्यकर्ता ने कहा "तलाशी किनकी करवाएँगे? आधे के लगभग डेलीगेट किराया लेकर चले गये।" इस प्रकार मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में वार्तालाप हुआ।

३.सम्मेलन में लेखक को क्या-क्या अनुभव हुए ? संक्षेप में लिखिए।

उत्तर :लेखक को ईमानदारों के सम्मेलन का मुख्य अतिथि अनाया गया था। उद्घाटन और भाषण आदि के बाद वे जब अपना चप्पल पहनने गये तो वहाँ नहीं था। उसकी जगह फटी-पुरानी चप्पल वहाँ था। वहाँ आए एक सज्जन उनकी चप्पलें पहन रखी थी। दूसरे दिन बैठक में जाने के लिए अपना धूप का चश्मा ढूँढते वह भी गायब। चश्मा भी दूसरे सज्जन के पास था।तीसरे दिन कमरे में कंबल गायब हो गया था। अंत में कमरे का ताला तक गायब हो गया था। इस तरह सम्मेलन में लेखक का अनुभव कडवा ही था।

IV. अनुरूपता :

१. पहला दिन : चप्पलें गायब थीं :: दूसरे दिन : <u>धूप का चश्मा और दो चादरें</u>

२. तीसरे दिन : कम्बल गायब था :: चौथे दिन : <u>ताला</u>

३. रिक्शा : तीन पहियों का वाहन :: साइकिल: <u>दो पहियों का वाहन</u>

४. रेलगाड़ी : पटरी :: हवाईजहाज : <u>आकाश</u>

V.रिक्त स्थान भरिए :

१.हम लोग इस शहर में एक ईमानदारों का सम्मेलन कर रहे हैं।
२.आपकी चप्पलें नहीं गयीं, यह गनीमत है।
३.वह मेरा चश्मा लगाये इतमीनान से बैठे थे।
४.फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।

VI.विलोम शब्द लिखिए :

१.आगमन x निर्गमन २.रात x दिन ३.जवाब x सवाल
४.बेचना x खरीदना ५.सज्जन x दुर्जन

VII. बहुवचन रूप लिखिए :

१.कपड़ा - कपड़े २.चादर - चादरें ३.बात - बातें ४.डिब्बा - डिब्बे ५.चीज़ - चीज़ें

VIII.प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए :

१.ठहरना - ठहराना - ठहरवाना २.धोना - धुलाना - धुलवाना
३.देखना - दिखाना - दिखवाना ४.लौटना - लुटाना - लुटवाना
५.उतरना - उतारना - उतरवाना ६.पहनना - पहनाना - पहनवाना

IX.संधि-विच्छेद करके संधि का नाम लिखिए :

१.स्वागत = सु + आगत - दीर्घ संधि २.सहानुभूति = सह + अनुभूति - दीर्घ संधि
३.सज्जन = सत + जन - व्यंजन संधि ४.परोपकार = पर + उपकार - गुणसंधि
५.निश्चिंत = निः + चिंत - विसर्ग संधि ६.सदैव = सदा + एव - वृद्धि संधि

X.कन्नड में अनुवाद कीजिए :

१.हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे।

ನಾವು ತಮಗೆ ಬಂದು-ಹೋಗಲು ಮೊದಲನೇ ದರ್ಜೆಯ ಬಾಡಿಗೆಯನ್ನು ಕೊಡುತ್ತೇವೆ.

२.स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ।

ರೈಲ್ವೆ ನಿಲ್ದಾಣದಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಆದರದ ಸ್ವಾಗತ ದೊರೆಯಿತು.

३.देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारना चाहिए।

ನೋಡಿ, ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಕಡೆ ಬಿಡಬಾರದು.

४.अब मैं बचा हूँ। अगर रुका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा।

ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದೇನೆ. ಇಲ್ಲೇ ಇದ್ದರೆ ನನ್ನನ್ನೂ ಕದ್ದುಕೊಂಡು ಹೋಗುವರು.

XI.ईमान गुण के सामने सही चिन्ह(√) और बेईमान गुण के सामने गलत चिन्ह (x)लगाइए :

१.दूसरे लोगों की वस्तुओं को उन्हें पहुँचाना। √

२.चोरी करना। x

३.रास्ते में मिली वस्तुओं को पुलिस स्टेशन पहुँचाना। √

४.कामचोरी करना। x

५.बगल में छुरी मुँह में राम-राम करना। x

६.झूठ बोलना। x

७.नेक मार्ग पर चलना। √

८.जानबूझकर गलती करना। x

९.बहाना बनाना। x

१०.सच बोलना। √

११.समय पर काम पूरा करना। √

१२.धोखा देना। x

१३.जालसाजी करना। x

१४.चोर बाजारी और मिलावट करना। x

१५.निष्ठा से कार्य करना। √

१६.भ्रष्टाचार में शामिल होना। x

१७.सेवाभाव से दूसरों की सहायता करना। √

१८.देश के प्रति सच्चा अभिमान रखना। √

१९.सच्चे भाव से बड़ों का आदर करना। √

२०.अपने सहपाठियों के साथ भाईचारे से व्यवहार करना। √

भाषा ज्ञान

I. दिए गए निर्देशानुसार वाक्य बदलिए :

१. मेरे पास चप्पल नहीं थी। (वर्तमानकाल में)	मेरे पास चप्पल नहीं है।
२.एक बिस्तर की चादर गायब है। (भूतकाल में)	एक बिस्तर की चादर गायब था।
३. उसमें पैसे तो नहीं थे। (भविष्यतकाल में)	उसमें पैसे तो नहीं होगा।
४. कोई उठा ले गया होगा।(वर्तमानकाल में)	कोई उठा ले गया है।
५. वह धूप का चश्मा लगाये थे।(भविष्यतकाल में)	वह धूप का चश्मा लगायेंगे।
६. सुबह मुझे लौटना था।(भविष्यतकाल में)	सुबह मुझे लौटना होगा।

II. निम्नलिखित वाक्यों के आगे काल पहचानकर लिखिए :

१. मैंने सामान बाँधा। भूतकाल

२. बड़ी चोरियाँ हो रही हैं। वर्तमानकाल

३. पहले दर्जे का किराया लूँगा। भविष्यत काल

४. डेलीगेट दोपहर को ही वापस चले गये। भूतकाल

५. मेरी चप्पलें देख रहे थे। भूतकाल

III. इन कहावतों का अर्थ समझकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

जैसे : कहावत - जहाँ चाह वहाँ राह।

अर्थ - इच्छा होने पर उसे पाने का मार्ग स्वयं मिल जाता है।

वाक्य - यदि मनुष्य चाहे तो कठिन से कठिन कार्य को भी पूरा कर सकता है, क्योंकि जहाँ चाह वहाँ राह।

१. गुरु गुड़ ही रहे,चेले शक्कर हो गये। अर्थ - छात्र गुरु से भी आगे बढ़ जाता है।

वाक्य - अब्दुल कलाम जी महानता को देखकर उनके गुरु ने ही कहें,गुरु गुड़ ही रहे,चेले शक्कर हो गये।

२.जैसा देश,वैसा भेस। अर्थ - देश के लोग जैसे होते है वैसे ही उनका वेश,भाषा और संस्कृति भी होती है।

भारत देश की वेश-भाषा को देखकर विदेशी लोग कहते हैं,जैसा देश,वैसा भेस।

३. निर्बल के बल राम। अर्थ - जो लोग निर्बल होते हैं उनके लिए भगवान राम ही बल देते है

वाक्य - कोई भगवान पर भरोसा रखते हैं तो कहा जाता है,निर्बल के बल राम।

४. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद। अर्थ - मूर्ख व्यक्ति किसी वस्तु के गुणों को बिना जाने कुछ भी बोल देता है।

वाक्य - यदि किसी की चतुराई के बारे में बिना जाने कोई कुछ कह देते हैं तो कहा जाता है,बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद

५. हाथी के दाँत खाने के और,दिखाने के और। अर्थ - सामने कुछ और,पीछे कुछ और।

वाक्य - यदि कोई किसी के बारे में सामने एक तरह और पीछे से दूसरे तरह कहता है तो कहा जा है,हाथी के दाँत खाने के और,दिखाने के और।

10. दनिया में पहला मकान

https://www.youtube.com/watch?v=7j20zHhgmY8

[By Study With Parashram]

I.एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१.सिंगफो आदिवासी कहाँ रहते थे ?

उत्तर :सिंगफो आदिवासी पूर्वोत्तर भारत में रहते थे।

२. सबसे पहले आदमी को मकान बनाना किसने सिखाया ?

उत्तर :सबसे पहले आदमी को मकान बनाना बहुत-से पशुओं ने सिखाया।

३.मकान के बारे में पूछ-ताछ करने दोनों दोस्त कहाँ चल पड़े ?

उत्तर :मकान के बारे में पूछ-ताछ करने दोनों दोस्त जंगल की ओर चल पड़े।

४. दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले किससे हुई ?

उत्तर : दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले हाथी से हुई।

५.दोस्तों ने क्या-क्या तय किया ?

उत्तर :दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएँगे।

६. हाथी से उत्तर पाकर दोस्त किससे मिले ?

उत्तर :हाथी से उत्तर पाकर दोस्त साँप से मिले।

७. सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने क्या किया ?

उत्तर :सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने एक मकान बना लिया।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. लालिम और किंचा लालीदाम जंगल की ओर क्यों चल पड़े ?

उत्तर :लालिम और किंचा लालीदाम नामक दो दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएँगे। मुश्किल यह थी कि वे नहीं जानते थे कि मकान कैसे बनाए जाते हैं.इसलिए वे पशुओं से पूछ-ताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पड़े।

२. दोस्तों ने हाथी के साथ किसकी चर्चा कीं ?

उत्तर :दोस्तों ने सबसे पहले हाथी मिलने गए। उन्होंने उससे मकान कैसे बनाए जाते हैं,इसके बारे में चर्चा कीं।

३. हाथी ने दोस्तों को क्या उत्तर दिया ?

उत्तर :हाथी ने दोस्तों को उत्तर दिया कि,"इसमें क्या कठिनाई है ? पेड़ों से लकड़ी के इतने मोटे और मजबूत गोले काट लो,जितने मेरे पैर हैं। आगे की बात तो मैं नहीं जानता। मुझे रत्ती-भर भी पत्ता नहीं।"

२. दोस्तों ने किन-किन जानवरों से मुलाकात कीं ?

उत्तर :दोस्तों ने सबसे पहले हाथी से मिले। फिर साँप से मिले |उसके बाद भैंस तथा मछली से मिलें

III. तीन-चार वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. साँप ने दोस्तों को क्या सुझाव दिया ?

उत्तर :साँप ने दोस्तों को सुझाव दिया कि,"ऐसा करो कि लकड़ी ऐसी पतली और लंबी काटो,जैसा मैं हूँ। आगे की बात मैं नहीं जानता। मुझे रत्ती-भर पता नहीं।"

२. भैंस के पंजर से दोस्तों को क्या जानकारी मिली ?

उत्तर ::भैंस के पंजर से दोस्तों को यह जानकारी मिली कि, भैंस ने दोनों दोस्तों को अपने भैंसे का पंजर दिखाते हुए कहा कि "जैसे भैंस के पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पड़ी हैं,उसी तरह चार मोटे गोले ज़मीन में गाड़कर उन पर पतली और लंबी लकड़ियों से चप्पर का पंजर बनाना है।"

३. मछली ने दोस्तों के प्रश्न का क्या जवाब दिया ?

उत्तर :मछली ने दोस्तों के प्रश्न का इस प्रकार जवाब दिया कि,"आप लोग ज़रा मेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो। फिर पेड़ों से बहुत -सी पत्तियाँ तोड़ लो। इन पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो, जैसी मेरी पीठ पर पट्टियाँ हैं।"

IV. अनुरूपता :

१. हाथी : जंगली जानवर :: भैंस : पालतू जानवर

२. मछली : पानी :: साँप : उभय (पानी तथा जमीन पर)

३.मछली : तैरना :: साँप : रेंकना

४. हाथी : सूँड़ :: भैंस : सींग

V. अन्य वचन रूप लिखिए :

१. कहानी – कहानियाँ २. गुफा - गुफाएँ ३. पेड़ - पेड़
४. पत्ती - पत्तियाँ ५. हड्डी – हड्डियाँ ६. मछली - मछलियाँ
७. लकड़ी - लकड़ियाँ ८. पट्टी - पट्टियाँ ९. लोग - लोग १०. घर - घर

VI. अन्य लिंग रूप लिखिए :

१. आदमी - औरत २. हाथी - हथिनी ३. भैंस - भैंसा
४. शेर - शेरनी ५. मोर - मोरनी ६. बहन - भाई

VII. विलोम शब्द लिखिए :

१. बहुतx कम २. दिन xरात ३. नीचे xऊपर
४.मुश्किलx आसान ५. आगे xपीचे ६.मजबूत x कमजोर
७. लंबीx चौड़ी ८. पास xदूर ९. दोस्तx दुश्मन १० काटनाx जोड़ना

VIII. जोड़कर लिखिए :

अ	आ	उत्तर
१. तालाब——▶ ——▶	पैर ————▶	मछली
२. हाथी ——▶ ——▶	मछली————▶	पैर
३. भैंस——▶ ——▶	आदिवासी ————▶	हड्डियाँ
४. पहला——▶ ——▶	हड्डियाँ————▶	मकान
५.सिंगफो——▶ ——▶	मकान ————▶	आदिवासी

IX. रिक्त स्थान भरिए :

१.भैंस ने दोस्तों को अपने भैंसे का पंजर दिखाया।
२. दोस्तों की मुलाकात अंत में मछली से हुई।
३. आप लोग जरा मेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो।
४. भैंस बहन,हम लोग मकान बनाना चाहते हैं।

X. पर्यायवाची शब्द लिखिए :

१. मकान = घर २. पेड़ = वृक्ष ३. दोस्त = मित्र ४. भेंट = मुलाका

XI. प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए :

१. बनना - बनाना २. गिरना - गिराना ३. लगना - लगाना ४. सीखना - सिखाना ५. करना - कराना ६. ठहरना - ठहराना

XII. सही शब्द चुनकर लिखिए :

(पानी, पालतू, जानवर, गाँव, आसमान, बिल, पेड़, जंगल)

१. हाथी जंगल २. साँप बिल ३. भैंस पालतू ४. मछली पानी ५. पक्षी आसमान ६. बैलगाड़ी गाँव

XIII. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

१. भैंस ने दोस्तों को पंजर दिखाया।

ಎಮ್ಮೆಯು ಮಿತ್ರರಿಗೆ ಅಸ್ಥಿಪಂಜರವನ್ನು ತೋರಿಸಿತು.

२. साँप ने कहा,'आगे की बात मैं नहीं जानता।'

ಹಾವು ಹೇಳಿತು,'ಮುಂದಿನ ಮಾತು ನನಗೆ ತಿಳಿದಿಲ್ಲ.'

३. हाथी बोला,'इसमें क्या कठिनाई है?'

ಆನೆ ಹೇಳಿತು, 'ಇದರಲ್ಲಿ ಕಠಿಣತೆ ಏನಿದೆ?'

४. तालाब में एक बहुत बड़ई मछली तैर रही थी।

ಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಮೀನು ಈಜಾಡುತ್ತಿತ್ತು.

भाषा ज्ञान

पाठ से आगे----------

I. पालतू और जंगली जानवरों की सूची तैयार कीजिए :

पालतू जानवर	जंगली जानवर	पालतू जानवर	जंगली जानवर
१.गाय	१.बाघ	२. भैंस	२. सिंह
३. बकरी	३. चीता	४. बैल	४. हाथी
५. कुत्ता	५. गीदड	६. बिल्ली	६. गैंडा
७. भेड़	७.भेड़िया	८. घोड़ा	८. जिराफ़
९.बन्दर	९. भालू		
१०.ऊँट	१०.लोमड़ी		

II. नीचे लिखे शब्दों के आधार पर लिखिए कि कौन क्या काम करता है ? -

उदा : बढ़ई	लकड़ी का काम
१. कुम्हार	मिट्टी का काम
२. लुहार	लोहे का काम
३. सुनार	सोने का काम
४. जुलाहा	कपड़े बुनने का काम
५. दूकानदार	वस्तुओं को बेचने का काम
६. हलवाई	मिठाई बनाने का काम
७. डॉक्टर	चिकित्सा देने का काम
८. अध्यापक	पढ़ाने का काम
९. सैनिक	देश की रक्षा करने का काम
१०. किसान	फसल उगाने का काम

11. समय की पहचान

https://www.youtube.com/watch?v=8gMHwbJg2iU

[DD Chandana Samveda Class]

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. कवि के अनुसार मनुष्य को सुख कब नहीं मिलता ?

उत्तर : कवि के अनुसार मनुष्य को सुख समय को नष्ट करने से नहीं मिलता।

२. बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है ?

उत्तर : बहाने बनाने का प्रमुख कारण आलस है।

३. समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है ?

उत्तर :समय भगवान (ईश) का दिया हुआ अनुपम धन है।

४. कवि किस पर विश्वास करने को कहते हैं ?

उत्तर :कवि आत्मा पर विश्वास करने को कहते हैं।

५. समय के खोने से क्या होता है ?

उत्तर :समय के खोने से पीछे सर्वथा पछताना पड़ेगा।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है ?

उत्तर : मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति तभी संभव है जब कि सुसमय पर जो भी कार्य करना है उसे उसी समय मन लगाकर करना है। समय को नष्ट नहीं करना है।

२. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?

उत्तर : समय भगवान का दिया हुआ अनुपम धन है। इसलिए आलस को छोड़कर, बिना किसी बहाने काम करना है। एक क्षण भी नष्ट नहीं करना है। तभी समय का सदुपयोग होगा।

३. कविता के अंतिम चार पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर : कविता की अंतिम चार पंक्तियों में कवि यह कहना चाहते हैं कि, जो काम करना है उसीमें चित्त लगाकर करना है। अपने आत्मा पर विश्वास करके संदेह को भगाना है। ऐसा सुसमय को खोने से फिर कभी वापस नहीं आता। यदि समय को खो जाते है तो पीछे पछताना पड़ेगा।

III. निम्नलिखित शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(सर्वथा, चक्रवर्ती, करो अभी, शुभ)

१. जो करना है, करो अभी,कल हो क्या जाने ?

२. चाहो तुम क्यों नहीं चक्रवर्ती भी होके।

३. यही समय ही अहो तुम्हारा शुभ जीवन है।

४. खोकर पीछे इसे सर्वथा पछताओगे।

IV. अनुरूपता :

१. आलस : परिश्रम :: नष्ट : लाभ

२. जानो : मानो :: लगा दो : भगा दो

३. धन : निर्धन :: दिया : लिया

४. जीवन : मरण :: खोना : पाना

V. जोड़कर लिखिए :

अ	आ	उत्तर
१. उद्योगी	▶ सुख	▶ सुसमय
२. आलस	▶ अनुपम धन	▶ बहाना
३. जीवन	▶ समता	▶ पल-पल
४. समय	▶ बहाना	▶ अनुपम धन
५. द्रव्य	▶ पल-पल	▶ समता

VI. उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए :

उदा : जाता - पाता

१. बहाने - जाने २. समता - चिंता ३. धन - जीवन

४. लगा दो - भगा दो ५.जानो - मानो ६. पाओगे - पछताओगे

VII. नीचे दिये गए शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए :

१. चकरवरती - चक्रवर्ती २. चिता - चिंता ३. नश्ट - नष्ट

४. अलास - आलस ५. सरवथा - सर्वथा ६. सयम - समय

VIII. उदाहरण के अनुसार शब्द लिखिए :

उदा : समय - सुसमय

१. पुत्र - सुपुत्र २. फल - सुफल ३. मन - सुमन ४. योग्य - सुयोग्य

५. यश - सुयश ६. नाद - सुनाद ७. मति - सुमति

X. अपने अपक की सहायता से इसे पूर्ण कीजिए :

एक पहर = तीन(3) घंटे

एक दिन = चौबीस(24) घंटे

एक सप्ताह = सात(7) दिन

एक पक्ष = पंद्रह(15) दिन

एक मास = तीस(30) दिन

एक साल = तीन सौ पैंसठ(365) दिन

XI. तालिका में महीनों का नाम लिखिए और 30 दिन आनेवाले महीनों में हरा रंग, 31 आनेवाले महीनों में पीला रंग, 28/29 आनेवाले महीने में लाल रंग भरिए :

जनवरी - 31	मई - 31	सितंबर - 30
फरवरी - 28/29	जून - 30	अक्तूबर - 31
मार्च - 31	जुलाई - 31	नवंबर - 30
अप्रैल - 30	अगस्त -31	दिसंबर – 31

12. रोबोट

https://www.youtube.com/watch?v=5jJEnq3AYgo

[By Kannada Srinivas]

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. वर्षों से सक्सेना परिवार में कौन काम कर रहा था ?

उत्तर : वर्षों से सक्सेना परिवार में साधोराम नामक नौकर काम कर रहा था।

२. धीरज सक्सेना किस कार्यालय में जा पहुँचे ?

उत्तर : धीरज सक्सेना 'रोबोटोनिक्स कार्पोरेशन कार्यालय में जा पहुँचे।

३. एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से क्या कर रहा था ?

उत्तर : एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से दफ्तर का फर्श को साफ कर रहा था ?।

४. रोबोनिल की मुलाकात किससे हुई ?

उत्तर : रोबोनिल की मुलाकात रोबोदीप से हुई।

५. शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम लिखिए।

उत्तर : शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम झबरू था।

६. रोबोनिल और रोबोदीप किससे मिलने गए ?

उत्तर : रोबोनिल और रोबोदीप 'रोबोटोनिक्स कार्पोरेशन' कंपनी के मालिक रोबोजीत से मिलने उसके दफ्तर में गए।

७. वैज्ञानिक लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर : वैज्ञानिक लेखक का नाम आइज़क आसिमोव है।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. साधोराम को क्या हुआ था ?

उत्तर : साधोराम सक्सेना परिवार में वर्षों से काम कर रहा था। अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई। इसलिए उसे अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।

२. धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की जरूरत क्यों थी ?

उत्तर : धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की जरूरत इसलिए थी किउसके नाती-पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड प्रेसेसर पर उनका काम संभालने के लिए भी था।

३.रोबोदीप ने रोबोनिल से क्या कहा ?

उत्तर : रोबोदीप ने रोबोनिल से कहा कि,'जानते हो रोबोनिल, तुम्हारे आने से पहले सक्सेना परिवार में कौन काम करता था ? साधोराम नामक नौकर काम कर रहा था। एक बस दुर्घटना में घायल होकर किसी अस्पताल में है।'

४. रोबोनिल ने रोबोदीप को क्या समझाने की कोशिश की ?

उत्तर : रोबोनिल ने रोबोजीत को यह समझाने की कोशिश की कि, 'वैज्ञानिक एवं विज्ञान लेखक आइज़क आसिमोव के रोबोटिकी के नियम के खिलाफ तो यह है ही कि कोई रोबोट किसी इंसान के नुकसान का करण बने, साथ-साथ मानवीय नज़रिये से भी यह गलत है कि हमारे कारण किसी भी इंसान की नौकरी को खतरा पहुँचे।'

५. कहानी को टाइप करते समय रोबोनिल को क्या हुआ ?

उत्तर : कहानी को टाइप करते समय रोबोनिल की धात्विक और तारों भरे परिपंथवाली खोपड़ी में यकायक मानो नीली रोशनी हो गई। वह अगले दिन ही रोपोदीप के साथ रोबोटिक संघ से संपर्क साधने के बारे में सोचने लगा।

III. पाँच-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. धीरज सक्सेना ने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय क्यों लिया ?

उत्तर : साधोराम नामक नौकर धीरज सक्सेना परिवार में वर्षों से काम कर रहा था। अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सक्सेना परिवार बड़ा था। बेटे-बेटियों,पोती-पोतों से घर में हमेशा रौनक और चहल-पहल बनी रहती I साधोराम के अस्पताल पहुँच जाने से सभी की तकलीफें बढ़ गई। धीरज सक्सेना से परिवारवालों का यह दुःख नहीं देखा गया। इसलिए परिवार के मुखिया के नाते उन्होंने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय लिया।

२. रोबोनिल और रोबोदीप की मुलाकात का वर्णन कीजिए।

उत्तर : रोबोनिल धीरज सक्सेना के घर में काम करनेवाला रोबोट था। वह रोज़ शाम को शेरू को टहलाने के लिए ले जाता था। ऐसे में एक दिन उसकी मुलाकात रोबोदीप से हो गई। रोबोदीप उसी मोहल्ले में रहनेवाले शर्मा परिवार के कुत्ते झबरू को घुमाने आया करता था। दोनों रोबोटों के बीच दोस्ती हुई।

३. विज्ञान कथा का सार लिखिए।

उत्तर : रोबोनिल को धीरज सक्सेना ने एक विज्ञान कथा वर्ड प्रोसेसर पर टाइप करने के लिए दी। कथा संक्षेप में इस प्रकार थी-एक घर में नौकर को,जो किसी जानलेवा बीमारी से पीड़ित था, निकालकर उसकी जगह पर एक रोबोट को रख दिया जाता है। किसी तरह रोबोट को इस बात की जानकारी मिल जाती है तो वह 'रोबोटिक संघ' से संपर्क साधकर संघ को सारी बातों से अवगत कराता है। संघ रोबोटों की हड़ताल की घोषणा कर देता है। अंततः समझौता इस बात पर होता है कि उस नौकर को घर में फिर से रख लिया जाएगा।

४. रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल क्यों मच गई ?

उत्तर :धीरज सक्सेना साधोराम नामक नौकर निकालकर रोबोट को रख देने की बात जब रोबोटिक संघ के अध्यक्ष को मालूम हुई तो उन्होंने कार्यकारिणी की आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक में तय हुआ कि सभी रोबोटिक कंपनियों के काम करनेवाले रोबोटों की हड़्अताल का आह्वान कर दिया जाएगा। इस आह्वान से रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल मच गई। उन्होंने रोबोजीत पर सक्सेना परिवार के साथ हुए अनुबंध को तुरंत रद्द कर देने का दबाव डाला। रोबोजीत अकेला पड़्अ गया। मजबूरन उसे धीरज सक्सेना के साथ अपने अनुबंध को तुरंत रद्द करके रोबोनिल को वापस बुलाने की बात माननी पड़ी।

IV. निम्नलिखित कारकों को चुनकर लिखिए :

(का, के, में, से, की)

१. वर्ष 2030 के नवंबर का महीना था।

२. आप साधारण रोबोट से भी काम चला सकते हैं।

३.रोबोनिल का घर में आ जाने से सभी ने राहत की साँस ली।

४. रोबोटों में हड़ताल की घोषणा हुई।

५. संघ को यह बात मानने की कोई आपत्ति नहीं थी।

VI. जोड़कर लिखिए :

अ	ब	उत्तर
१. यह सुनकर काउंटर पर	गुप्त मंत्रणा हुई	बैठा रोबोट बोला
२. मगर,रोबोदीप,यह तो	पाकर फूला नहीं समा रहा था	रोबोटिकी के नियम के विरुद्ध है
३. शाम को रोबोनिल	बैठा रोबोट बोला	और रोबोदीप मिले
४. दोनों के बीच कुछ	रोबोटिकी के नियम के विरुद्ध है	गुप्त मंत्रणा हुई
५. सक्सेना परिवार	रोबोनिल को पाकर	फूला नहीं समा रहा था

VI. अन्य वचन रूप लिखिए :

१.बेटे - बेटा २. नाती - नातियाँ ३. कुत्ते - कुत्ता ४. छुट्टी - छुट्टियाँ
५. बेटियाँ - बेटी ६. पोता - पोते ७. कंपनियाँ - कंपनी ८. नौकरियाँ - नौकरी

VII. अनुरूपता :

१. शेरू को टहलाना : रोबोनिल :: झबरू को घुमाना : रोबोदीप
२. मुखिया : धीरज सक्सेना :: सेवक : साधोराम
३. टस से मस न होना : अटल रहना :: फूले न समाना : बहुत खुश होना

भाषा ज्ञान

I. उदाहरण के अनुसार मुहावरे लिखिए :

१. शरीर के अंगों को लेकर ——▶ उदा: अँगूठा दिखाना - साफ इनकार करना
अ. आँखों में धूल झोंकना ——▶ धोखा देना
आ. आँख दिखाना ——▶ गुस्से से देखना
इ. पेट में चूहे दौड़ना ——▶ अत्यंत भूख लगना
२. अंकों को लेकर ——▶ उदा:नौ दो ग्यारह होना - इधर-उधर भाग जाना
अ.अपना सा मुँह लेकर रह जाना—▶ किसी काम में असफल होना
आ.सातवें आसमान पर होना ——▶ अत्यधिक खुशी होना
इ. चार दिन की चाँदनी,फिर अंधियारी रात है ——▶ खुशी ज्यादा दिन तक नहीं टिकती है

II. मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

१. आँख खुलना - सत्य प्रकट होना - परीक्षा फल देखने के बाद उसका आँख खुलता है।
२. ईद का चाँद होना - बहुत दिनों के बाद आना - एक मित्र ने दूसरे मित्र से कहा कि तू तो ईद का चाँद हो गया है।
३. कान खड़े होना - आश्चर्य चकित होना - अचानक साँप को देखने से कान खड़े हो जाते है।
४. हवा से बातें करना - तेजी से जाना - लड़का साइकिल में हवा से बातें करता हुआ जाता है।
५. बात का धनी - कहे को करनेवाला - महात्मा गाँधीजी बात के धनी थे।

III. मुहावरों को सही अर्थ के साथ जोड़कर लिखिए :

१. राहत की साँस लेना———▶ चैन की साँस लेना/तसल्ली करना

२. पेट पर लात मारना———▶ हानी पहुँचाना

३. टस से मस न होना———▶ विचलित न होना

४. फूला नहीं समाना———▶ बहुत खुश होना

५. आँच आना ———▶ आश्चर्यचकित होना

६. अँगूठा दिखा देना ———▶ वक्त आने पर इनकार करना

७. हलचल मचाना———▶ शोर मचाना

८. हाथों के तोते उड़ना———▶ नौकरी या सहूलियत छीनना

IV. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य पूरा कीजिए :

(साँस रोके हुए, नौ दो ग्यारह हो जाना, गुस्सा हवा हो जाना, चिंगारियाँ सुलगना, दाँतों तले उँगली दबाना, भूचाल आ जाना)

१. मास्टर साहब की आँखों में चिंगारियाँ सुलग रही थीं।

२. मालिक को देखकर ड्राइवर का गुस्सा हवा हो गया।

३. अपने सामने शेर को देख मैं काफी देर तक साँस रोके खड़ा रहा।

४. अध्यापिका की अनुपस्थिति में बच्चों ने कक्षा में इतना शोर मचा रखा था, ऐसा लग रहा था, मानो कक्षा में भूचाल आ गया हो।

५. एक व्यक्ति को अपने मुँह से ट्रक खींचते देख हम दाँतों तले उँगली दबाकर रह गए।

६. बिल्ली को सामने से आता देख चूहा नौ दो ग्यारह हो गया।

13. महिला की साहसगाथा

https://www.youtube.com/watch?v=1rEnzkCIB84

https://www.youtube.com/watch?v=usqkTKblpzM

[DD Chandana Samveda Class]

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. बिछेंद्री पाल को कौन-सा गौरव प्राप्त हुआ है ?

उत्तर : बिछेंद्री पाल को एवरेस्ट की चोटी पर चढ़नेवाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

२. बिछेंद्री के माता-पिता कौन थे ?

उत्तर : बिछेंद्री के पिता किशनपाल सिंह और माता हंसादेई नेगी थे।

३. बिछेंद्री ने क्या निश्चय किया ?

उत्तर : बिछेंद्री ने निश्चय किया कि वे भी वहीं करेंगी जो उनका भाई करते हैं।

४. बिछेंद्री ने किस ग्लेशियर पर चढ़ाई की ?

उत्तर : बिछेंद्री ने 'गंगोत्री ग्लेशियर' पर चढ़ाई की।

५. सन 1983 में दिल्ली में कौन-सा सम्मेलन हुआ था ?

उत्तर : सन 1983 में दिल्ली में हिमालय पर्वतारोहियों का सम्मेलन हुआ था।

६. एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ कौन थे ?

उत्तर : एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ अंग दोरजी थे ।

७. कर्नल का नाम क्या था ?

उत्तर : कर्नल का नाम खुल्लर था।

८. ल्हाटू कौन-सी रस्सी लाया था ?

उत्तर : ल्हाटू नायलान की रस्सी लाया था।

९. बिछेंद्री ने थैले से कौन-सा चित्र निकाला ?

उत्तर : बिछेंद्री ने थैले से हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला।

१०. कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से क्या कहा ?

उत्तर : कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से कहा "देश को तुम पर गर्व है।"

११. मेजर का नाम क्या था ?

उत्तर : मेजर का नाम कुमार था।

१२. बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन-सा पदक देकर सम्मान किया

उत्तर : बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने प्रतिष्ठित स्वर्ण-पदक पदक तथा अन्य सम्मन और पुरस्कार प्रदान किया।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. बिछेंद्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए।

उत्तर : बिछेंद्री पाल का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था। पिता किशनपाल सिंह और माँ हँसादेई नेगी की पाँच संतानों में बिछेंद्री तीसरी संतान हैं। बिचेंद्री के बड़्ए भाई को पहाड़ों पर जाना अच्छा लगता था।

२.बिछेंद्री का बचपन कैसे बीता ?

उत्तर : बिछेंद्री को बचपन में रोज़ पाँच किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जाना पड़्अता था। बाद में पर्वतारोहण-प्रशिक्षण के दौरान उनका कठोर परिश्रम बहुत काम आया। सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी।

३. बिछेंद्री ने पर्वतारोहण के लिए किन-किन चीज़ों का उपयोग किया ?

उत्तर : बिछेंद्री ने पर्वतारोहण में बर्फ को काटने के लिए फावड़े का इस्तेमाल करना पड़ा। ऊपर चढ़ने के लिए नायलान की रस्सी का उपयोग किया गया। चार लीटर आँक्सीजन की अपेक्षा लगभग ढाई लीटर आँक्सीजन प्रति मिनट की दर से लेकर ऊपर चढ़ने लगीं।

४. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने क्या किया ?

उत्तर : एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने पहले अपने घुटनों के बल बैठी। बर्फ पर अपने माथे को लगाकर सागरमाथे के ताज का चुंबन किया। अपने थैले से हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला। उन्हें अपने साथ लाए लाल कपड़े में लपेटा और छोटी-सी पूजा करके उनको बर्फ में दबा दिया।

II. चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. बिछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की ?

उत्तर : पढ़ाई के साथ-साथ बिछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने के अपने लक्ष्य को भी हमेशा अपने सामने रखा। इसी दौरान बिछेंद्री ने 'कालनाग' पर्वत की चढ़ाई की। सन 1982 में उन्होंने 'गंगोत्री ग्लेशियर' (6672 मी) तथा 'रूड गेरो' (5819 मी) की चढ़ाई की जिससे उनमें आत्मविश्वास और बढ़ा। अंग दोरजी के साथ बिछेंद्री ने साउथ कोल से निकले। हल्की-हल्की हवा चल रही थी और ठंड बहुत अधिक थी। उन्होंने बगैर रस्सी के ही चढ़ाई की। बर्फ को काटने के लिए फावड़े का इस्तेमाल किया गया। ऊपर चढ़ने के लिए नायलान रस्सी का उपयोग भी किया गया। आक्सीजन का भी उपयोग करते हुए चढ़ाई की।

२. दक्षिणी शिखर पर चढ़ते समय बिछेंद्री के अनुभव के बारे में लिखिए।

उत्तर : दक्षिणी शिखर पर चढ़ते समय बिछेंद्री के अनुभव इस प्रकार थे कि, दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी। उस ऊँचाई पर तेज़ हवा के झोंके भुरभुरे बर्फ के कणों को चारों तरफ उड़ा रहे थे जिससे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। उन्होंने देखा कि थोड़ी दूर तक कोई ऊँची चढ़ाई नहीं है। ढलान एकदम सीधी नीची चली गई है। उनकी साँस मानो एकदम रुक गई थी। उन्हें लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है। 23 मई, 1984 के दिन दोपहर के 1 बजकर 7 मिनट पर वे एवरेस्ट की चोटी पर खड़ी थीं। एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचनेवाली वे प्रथम भारतीय महिला थीं।

३. प्रस्तुत पाठ से क्या संदेश मिलता है ?

उत्तर : प्रस्तुत पाठ से छात्र यह संदेश प्राप्त कर सकते हैं कि, महिलाएँ भी साहस प्रदर्शन में पुरुषों से कुच कम नहीं हैं। बिछेंद्री पाल इस विचार का एक निदर्शन है। ऐसी महिलाओं से प्रेरणा पाकर छात्र साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीखते हैं। इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते हैं। यह पाठ सिद्ध करता है कि 'मेहनत का फल अच्छा होता है।'

IV. जोड़कर लिखिए :

अ		ब		
१. गंगोत्री ग्लेशियर की चढ़ाई	⟹	सन 1984	⟹	सन 1982
२. पर्वतारोहियों का सम्मेलन	⟹	सन 1985	⟹	सन1983
३. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचना	⟹	सन 1982	⟹	सन 1984

V. अनुरूप शब्द लिखिए :

१. पहाड़ : गिरि :: चोटी : <u>शिखर</u>
२. कालानाग : पर्वत :: गंगोत्री : <u>ग्लेशियर शिखर</u>
३. कर्नल : खुल्लर :: मेजर : <u>कुमार</u>
४. चाय : गरम :: बर्फ : <u>ठंडा</u>
५. पहले हिमालय पर्वतारोही पुरुष : तेनजिंग नोर्गे :: पहली पर्वतारोही महिला : <u>जुंके ताबी</u>

VI. स्त्रीलिंग शब्द लिखिए :

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
१. बाप	- माँ	२. पुरुष	- स्त्री		
३. भाई	- बहन	४. बेटा	- बेटी	५. श्रीमान	- श्रीमती

VII. उदाहरण के अनुसार लिखिए :

१. पढ़ + आई = पढ़ाई
२. चढ़ + आई = चढ़ाई
३. कठिन + आई = कठिनाई
४. ऊँचा + आई = ऊँचाई
५. बढ़ + आई = बढ़ाई

VIII. अन्य वचन लिखिए :

१.चट्टान-चट्टानें
२.रस्सी-रस्सियाँ
३.शीशा-शीशे
४. चोटी-चोटियाँ
५. चादर-चादरें

IX. विलोम शब्द लिखिए :

१.आरोहणxअवरोहण
२.चढ़नाxउतरना
३.ठंडाxगरम
४.परिश्रमxआलस
५.सामनेxपीछे

X. समानार्थक शब्द लिखिए :

उदा : पहाड़ = गिरि, पर्वत
१. चोटी = शिखर , चुन्नट
२.सुबह = सबेरा, प्रातःकाल
३. महिला = स्त्री , नारी
४. नज़दीक = समीप, पास

XI. निम्न शब्दों में विशेषण तथा संज्ञा शब्दों को अलग-अलग कीजिए :

शब्द	संज्ञा	विशेषण
उदा : ऊँचा पर्वत	पर्वत	ऊँचा
१. मधुर स्वर	स्वर	मधुर
२. कर्कश आवाज़	आवाज़	कर्कश
३. बड़ा साधु	साधु	बड़ा
४. ठंडी हवा	हवा	ठंडी
५. नायलान रस्सी	रस्सी	नायलान

XII. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द दिये गये हैं, ढूँढकर लिखिए :

उदा : जो पढ़ा लिखा न हो - अनपढ़

१. जहाँ पहुँचा न जा सके – दुर्गम
२. मास में एक बार आनेवाला - मासिक
३. जो कभी न मरे – अमर
४. अच्छे चरित्रवाला – सच्चरित्र
५. जो आँखों के सामने हो – प्रत्यक्ष
६. जो स्थिर रहे - स्थाई
७. जिसे क्षमा न किया जा सके – अक्षम्य
८. जो वन में घूमता हो - वनचर
९. जिसका संबंध पश्चिम से हो – पाश्चात्य
१०. जो उपकार मानता हो - कृतज्ञ

XIII. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

१. बिछेंद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था।

ಬಿಚೇಂದ್ರಿಯವರ ಜನ್ಮ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಪರಿವಾರದಲ್ಲಿ ಆಯಿತು.

२. बिछेंद्री को रोज़ पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था।

ಬಿಚೇಂದ್ರಿಯವರು ಪ್ರತಿದಿನ ಕಾಲ್ನಡಿಗೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗುತ್ತಿತ್ತು.

३. दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी।

ದಕ್ಷಿಣಿ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗುತ್ತಿತ್ತು.

४. मुझे लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है।

ಸಫಲತೆ ಬಹಳ ಹತ್ತಿರವಿದೆಯೆಂದು ನನಗನ್ನಿಸಿತು.

५. मैं एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी।

ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್ ನ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ತಲುಪಿದ ಮೊದಲ ಭಾರತೀಯ ಮಹಿಳೆಯಾಗಿದ್ದೆನು.

14. सूर – श्याम

https://www.youtube.com/watch?v=HYmJp-OyNyA

[By hindi clases]

1. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१.सूर-श्याम पद के रचयिता कौन हैं?

उत्तर : सूर – श्याम पद के रचयिता श्री सूरदास जी हैं।

२.कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है?

उत्तर : कृष्ण की शिकायत बलराम के प्रति है।

३.यशोदा और नंद का रंग कैसा था?

उत्तर : यशोदा और नंद का रंग गोरा था।

४.चुटकी दे-देकर हँसनेवाले कौन थे?

उत्तर : चुटकी दे-देकर हँसनेवाले ग्वाल बच्चे थे।

५.यशोदा किसकी कसम खाती है।

उत्तर : यशोदा गोधन की कसम खाती है।

६.बालकृष्ण किससे शिकायत करता है ?

उत्तर : बालकृष्ण यशोदा से शिकायत करता है।

७.बलराम के अनुसार किसे मोल लिया गया है ?

उत्तर : बलराम के अनुसार बालकृष्ण को मोल लिया गया है।

८.बालकृष्ण का रंग कैसा था ?

उत्तर : बालकृष्ण का रंग श्याम(काला) था।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१.कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता ?

उत्तर : बलराम कृष्ण को सदाचिढ़ाता रहता है कि कृष्ण यशोदा और नंद का बेटा नहीं है। यशोदा ने उसे जन्म नहीं दिया है। उसे मोल लिया गया है।इसी गुस्से के कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता ।

२.बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है?

उत्तर : बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में इस प्रकार कहता है कि यशोदा ने उसे जन्म नहीं दिया है। उसे मोल लिया गया है। यशोदा और नंद गोरे हैं। लेकिन कृष्ण का रंग काला है।

३.कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है?

उत्तर : कृष्ण अपनी माता से इसलिए नाराज़ है क्योंकि यशोदा सदा कृष्ण को ही मारना सीखी थे। बलराम पर कभी गुस्सा भी नहीं करती थी। इसलिए कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति नाराज़ है।

४.बालकृष्ण अपनी माता से क्या-क्या शिकायतें करता है ?

उत्तर : बालकृष्ण अपनी माता से इस प्रकार शिकायत करता है कि भाई मुझे बहुत चिढ़ाता है। वह मुझसे कहता है कि तुम्हें यशोदा माँ ने जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है।इसी गुस्से के कारण उसके साथ खेलने नहीं जाता।

५.यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है?

उत्तर : यशोदा कृष्ण के क्रोध को इस प्रकार शांत करती है कि हे कृष्ण! सुनो । बलराम जन्म से ही चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो।

III. चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१.पद का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए :

भावार्थ : प्रस्तुत पद में श्री सूरदास जी भाई बलराम के प्रति कृष्ण की शिकायत का मोहक वर्णन किया गया है। कृष्ण अपनी माँ यशोदा से शिकायत करता है कि भाई मुझे बहुत चिढ़ाता है। वह मुझसे कहता है कि तुम्हें यशोदा माँ ने जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। इसी गुस्से के कारण उसके साथ उसके साथ खेलने नेहीं जाता। वह मुझसे बार-बार पूछता है कि तुम्हारे माता-पिता कौन हैं? वह यह भी कहता है कि नंद और यशोदा तो गोरे हैं, लेकिन तुम्हारा शरीर क्यों काला है? उसकी ऐसी हँसी-मज़ाक सुनकर मेरे सब मित्र चुटकी बजा-बजाकर हँसते हैं। उन्हें बलराम ने ही ऐसा करना सिखाया है। माँ, तुमने मुझे ही मारना सीखा है और भाई पर खभी गुस्सा नहीं करती । कृष्ण के क्रोधित मुख को देखकर और उसकी बातों को सुनकर यशोदा खुश हो जाती है। वह कहती है-हे कृष्ण! सुनो । बलराम जन्म से ही चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो। इस पद में श्री सूरदास जी ने बालकृष्ण के भोलेपन और यशोदा के वात्सल्य का मार्मिक चित्रण किया है।

V. अनुरूपता :

१. बलभद्र : बलराम :: कान्ह : कृष्ण

२. जसोदा : माता :: नंद : पिता

३. रीझना : मोहित होना :: खिझाना : चिढ़ाना

४. बलबीर बलराम :: जसोदा : यशोदा

VI. जोड़कर लिखिए :

अ	ब	उत्तर
१. सूरदास का जन्म ⟹	कृष्णभक्ति शाखा ⟹	सन 1540 को हुआ
२. सगुण भक्तिधारा की ⟹	सन 1540 को हुआ ⟹	कृष्ण भक्ति शाखा
३. उत्तर प्रदेश का रुनकता ⟹	सन 1642 को हुई ⟹	सूर का जन्मस्थान
४. सूरदास जी की मृत्यु ⟹	सूर का जन्मस्थान ⟹	सन 1642 को हुई

VII. सही शब्द चुनकर लिखिए :

(चुगलखोर, गोरी, श्याम, चुटकी, बाल-लीला)

१. जसोदा गोरी २. कृष्ण श्याम ३. ग्वाल मित्र चुटकी

४. बलराम चुगलखोर ५. कृष्ण की बाल-लीला

VIII. आधुनिक रूप लिखिए :

जैसे : मैया - माता

१. मोहिं - मुझेद

२.मोसों - मुझसे

३.रिस - क्रोध

४. सरीर - शरीर

५. सिखै - सिखाना

६. जसुमति - यशोदा

७.धूत - दुष्ट

८.कान्ह - कृष्ण

९. पूत - पुत्र

१०.जनमत - जन्म

15.कर्नाटक संपदा

https://www.youtube.com/watch?v=ZPMxuxzApM4

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१.पश्चिमी घाट किसे कहते हैं ?

उत्तर : कर्नाटक के पश्चिम प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं।

२.कर्नाटक में कौन-कौन से जलप्रपात हैं ?

उत्तर :कर्नाटक में जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र आदि जलप्रपात हैं।

३.श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई कितनी है ?

उत्तर :श्रवणबेलगोल की गोमतेश्वर मूर्ति की ऊँचाई ५७ फुट है।

४. किस नगर को सिलिकान सिटी कहा जाता है ?

उत्तर :बेंगलूर नगर को सिलिकान सिटी कहा जाता है।

५. भद्रावती के दो प्रमुख कारखानों के नाम लिखिए ?

उत्तर :भद्रावती के दो प्रमुख कारखानों के नाम कागज़,लोहे और इस्पात हैं।

६.सेंट फिलिमिना चर्च किस नगर में है ?

उत्तर :सेंट फिलोमिना चर्च मैसूर नगर में है।

७.बिजापुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान कौन सा है ?

उत्तर : बिजापुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान गोलगुंबज़ के व्हिस्परिंग गैलरी है।

८.अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा में है ?

उत्तर :अरबी समुद्र कर्नाटक की पश्चिम दिशा में है।

९.कर्नाटक की दक्षिण दिशा में कौन सी पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं ?

उत्तर :कर्नाटक की दक्षिण दिशा में नीलगिरी की पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ और जलप्रपात कौन-कौन से हैं ?

उत्तर :कर्नाटक में कावेरी,कृष्णा,तुंगभद्रा आदि नदियाँ बहती है यहाँ जोग,अब्बी,गोकाक,शिवनसमुद्र आदि जलप्रपात हैं।

२. कर्नाटक के किन साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है ?

उत्तर: कर्नाटक के कुवेम्पु,द.रा.बेन्द्रे,शिवराम कारंत,मास्ति वेंकटेश अय्यंगार,वि.कृ.गोकाक,यू.आर.अनंतमूर्ति,गिरीश कार्नाड,चंद्रशेकर कंबार आदि आधुनिक काल के आठ साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार से अलंकृत किया गया है। यह कन्नड भाषा,संस्कृति तथा कर्नाटक के लिए गौरव का विषय है।

३. बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग हैं ?

उत्तर:कर्नाटक में कावेरी,कृष्णा,तुंगभद्रा आदि अनेक नदियाँ बहती हैं। इन नदियों पर बाँध बनाये गये हैं ।इनसे हज़ारों एकड़ जमीन सींची जाती है। इसके अलावा इन नदियों के जलाशयों की सहायता से ऊर्जा-उत्पादन केंद्र भी स्थापित किये गये हैं।

४. कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए।

उत्तर:कर्नाटक के प्रमुख राजवंश गंग,कदंब,राष्ट्रकूट,चालुक्य,होयसल,ओडेयर आदि हैं। कृष्णदेवराय,मदकरिनायक,रानी अब्बक्का देवी,कित्तूर चेन्नम्मा,टिप्पू सुल्तान,आदिलशाह जैसे शासकों ने कर्नाटक राज्य की श्रीवृद्धि में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया हैं।

५.बेंगलूर में कौन-कौन सी बृहत संस्थाएँ हैं ?

उत्तर:बेंगलूर शिक्षा का ही नहीं,बल्कि बड़े-बड़े उद्योग-धंधों का भी केंद्र है। यहाँ प्रसिद्ध भारतीय विज्ञान संस्थान ,एच.ए.एल.,एच.एम.टी .,आइ.टी.आइ.,बी.एच .ई.एल.बी.ई.एल. जैसी बृहत संस्थाएँ हैं।

III.चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१.कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर:प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवारकर सुंदर और समृद्ध बनाया है। कर्नाटक की प्रकृतिक सुषमा नयन मनोहर है। पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं।

२.कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए।

उत्तर:कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है ।बादामी,ऐहोले,पट्टदकल्लु में जो मंदिर हैं, उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अदभुत है । बेलूर,हलेबीडु,सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं, वे सजीव लगती हैं । ये सुंदर मूर्तियाँ हमें रामायण,महाभारत,पुराणों की कहानियाँ सुनाती हैं । श्रवणबेलगोल में ५७ फुट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला प्रतिमा है,जो दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है ।बिजापुर के गोलगुंबज़ की व्हिस्परिंग गैलरी वास्तुकला का अव्दितीय दृष्टांत है ।मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है। प्राचीन सेंट फिलोमिना चर्च, जगनमोहन राजमहल (आर्ट गैलरी) का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय हैं

३. कन्नड भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है?

उत्तर:कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी हैं । वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे । अक्कमहादेवी,अल्लमप्रभु,सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल"वचनों" व्दारा प्रेम,दया और धर्म की सीख दी है । पुरंदरदास,कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति,नीति,सदाचार के गीत गाये हैं। पंप,रन्न,पोन्न,कुमारव्यास,हरिहर,राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है।

IV.कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए :

(गंग, त्याग, पुराण, वैभव, कीर्ति, साबुन, चंदन, शांति)

१.कर्नाटक को चंदन का आगार कहते हैं।

२.गोमटेश्वर की प्रतिमा दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है।

३.मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है।

४.कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है।

V.कन्नड़ में अनुवाद कीजिए :

१.कर्नाटक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूर है।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯನ್ನು ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ ಮತ್ತು ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು.

२.कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में हैं।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು ವಿಪುಲವಾಗಿವೆ.

३.जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय है।

ಜಗನ್ ಮೋಹನ ರಾಜಮಹಲಿನಲ್ಲಿ ಪುರಾತನ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯವು ಆಕರ್ಷಣೀಯವಾಗಿದೆ.

४.वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे।

ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣನವರು ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು.

VI. नमूने के अनुसार इन शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

उदा :पर्वत अद्रि पहाड़ गिरि

१.सागर समुद्र अंबुधि झील

२.आगार घर महल मकान

३.जल पानी नीर वारी

४.आकाश अंबर गगन आसमान

VII.विलोम शब्द लिखिए :

१.सुंदर x असुंदर २.विदेश x स्वदेश ३.आदि x अनादि

४.सजीव x निर्जीव ५.सदाचार x दुराचार ६.आयात x निर्यात

VIII. उदाहरण के अनुसार बहुवचन रूप बनाना सीखिए :

उदा : संधि – संधियाँ

१. मूर्ति – मूर्तियाँ २. उपलब्धि – उपलब्धियाँ ३. कृति – कृतियाँ

४. नीति – नीतियाँ ५. संस्कृति – संस्कृतियाँ ६. पद्धति - पद्धतियाँ

IX. विच्छेद कर संधि का नाम लिखिए :

१. दिग्गज दिक + गज व्यंजन संधि २. पर्वतावली पर्वत + आवली दीर्घ संधि

३. संग्रहालय संग्रह + आलय दीर्घ संधि ४.जलाशय जल + आशय दीर्घ संधि

५. जगनमोहन जगत + मोहन व्यंजन संधि ६. सदाचार सत + आचार व्यंजन संधि

७. अत्यंत अति + अंत यण संधि

X. विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए :

१.देश-विदेश देश और विदेश व्दंव्द समास २.जलप्रपात जल का प्रपात तत्पुरुष समास

३.राजवंश राजा का वंश तत्पुरुष समास ४. राजमहल राजा का महल तत्पुरुष समास

XI. सही विकल्प को रेखांकित कीजिए :

१.तुंग-भद्रा नदी इन राज्यों में बहती है-

अ) कर्नाटक-तमिलनाडु आ) कर्नाटक-महाराष्ट्र इ) कर्नाटक-आंध्रप्रदेश ई) कर्नाटक-केरल

२.श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति का निर्माण इन्होंने कराया था –

अ) दीवान पूर्णय्या आ) मिर्जा इस्माइल इ) श्री वीरेंद्र हेग्गडे ई) चावुंडराय

३.ज्ञानपीठ से पुरस्कृत प्रथम कन्नड साहित्यकार ये हैं –

अ) चंद्रशेखर कंबार आ) कुवेंपु इ) यू.आर.अनंतमूर्ति ई) गिरीश कार्नाड

४.कन्नड भाषा के प्रथम "राष्ट्रकवि" की उपाधि से अलंकृत साहित्यकार ये हैं-

अ) गोविंद पै आ) कुवेंपु इ) जी.एस.शिवरुद्रप्पा ई) ती.नं श्री

XII. अर्थ समझिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए :

१.तक – थक

मैं सुबह चार से नौ बजे तक पढ़ती हूँ।

सीता काम करती-करती थक गयी।

२. चोर - छोर

चोर चोरी करके भाग गया।

दक्षिण से उत्तर छोर तक पर्वतमालाएँ हैं।

३.बात – भात

कृष्ण ने बलराम से बात की।

बिल्ली को दही-भात बहुत पसंद है।

४. काल - खाल

श्री सूरदास जी हिन्दी साहित्य के प्राचीन काल के कवि थे ।

प्राणियों की खाल से अनेक वस्तुओं को बनाते हैं ।

XIII. अनुरूपता :

१. दक्षिण से उत्तर के छोर की पर्वतमाला : पश्चिमी घाट :: दक्षिण की पर्वतमालाएँ : नीलगिरि

२. कर्नाटक : चंदन का आगार :; बेंगलूर : सिलिकान सिटी

३. सी.वी.रामन : नोबेल पुरस्कृत :: स.एम.विश्वेश्वरय्या : भारतरत्न

४. भद्रावती : लोहे और इस्पात :: मैसूर : चंदन

५. कावेरी : नदी :: जोग : जलप्रपात

६. बेलूर : शिल्पकला :: गोलगुंबज़ : वास्तुकला

७. सेंट फिलोमिना : चर्च :: जगनमोहन राजमहल : पुरातत्व वस्तु संग्रहालय

८. कृष्णदेवराय : शासक :: राष्ट्रकूट : राजवंश

९. बसवण्णा : वचनकार :: कनकदास : भक्त कवि

१०. पंपा : प्राचीन कवि :: कंबार : आधुनिक कवि

पाठ से आगे ……..

I. दिए-गए सही कारक चिन्ह रिक्त स्थान में भरिए और इस अनुच्छेद के लिए उचित शीर्षक दीजिए :

(ने, को, से, का, की, के, के लिए, में, पर)

कित्तूर से नौ मील दूरी पर स्थित संगोली नामक एक छोटा सा गाँव है। इसी गाँव में एक गड़रिये परिवार में रायण्णा का जन्म सन १५ अगस्त १७९३ ई. में हुआ था। इनके पिताजी का नाम भरमण्णा था। रायण्णा की माता का नाम चंचोबा था। रायण्णा ने अपने भाई सिद्दण्णा के संग कसरत के साथ-साथ शस्त्राभ्यास भी किया। परिश्रम के फलस्वरूप कित्तूर रानी चेन्नम्मा के राज्य में मुख्य सेनापति के पद पर आरूढ़ हुए। उन्होंने अंग्रेजों को देश से भगाकर भारतमाता के लिए स्वतंत्रता दिलाना ही अपना परम कर्तव्य माना था।

16.बाल शक्ति

https://www.youtube.com/watch?v=PcH2kZ_LpIQ

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. कौन-कौन कंचे खेल रहे थे ?

उत्तर : रामू और श्यामू कंचे खेल रहे थे।

२.खेल में कौन सदा बेईमानी करता है ?

उत्तर : खेल में रामू सदा बेईमानी करता है ो।

३. रामू को स्कूल जाने के लिए कौन कहता है ?

उत्तर : रामू को स्कूल जाने के लिए मोहन कहता है।

४. रामू ने किस विषय का गृह-कार्य नहीं किया था ?

उत्तर : रामू ने गणित विषय का गृह-कार्य नहीं किया था।

५. हमें किस उम्र में अच्छी आदतें डालनी है ?

उत्तर : हमें बारह साल से नीचे की उम्र में अच्छी आदतें डालनी है े।

६. रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी किसने ली ?

उत्तर : रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी संजय ने ली।

७. टोली का मुखिया कौन बना ?

उत्तर : टोली का मुखिया मोहन बना ?।

८. बच्चों की तारीफ किसने की ?

उत्तर : बच्चों की तारीफ जिले के कलेक्टर ने की।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. रामू में कौन-कौन-सी बुरी आदतें थीं ?

उत्तर : रामू सदा कंचे खेलता था ।खेल में बेईमानी करता था। जिस दिन स्कूल का कार्य नहीं करता,उस दिन स्क्ल्लोअ से छुट्टी कर लेता था।

२.गाँव की सफाई के लिए बालक क्या काम करते हैं ?

उत्तर : गाँव की सफाई के लिए बालक गाँव के कई गड्ढों को ढाँप लिया था। गाँव का कूड़ा डालने के लिए एक निश्चित जगह बनाया तथा गाँव के सभी भाइयों से कूड़ा उसी जगह डालने के लिए कहा। गाँव को हरा भरा रखने के लिए उसके चारों तरफ पेड़-पौधे लगा लिया और अपने घरों में भी फलदार पेड़ लगा लिया।

३.गाँव को आदर्श कैसे बनाया जा सकता है ?

उत्तर : गाँव को आदर्श बनाने के लिए गाँव की सफाई के लिए गाँव के कई गड्ढों को ढाँप लेना है। गाँव का कूड़ा डालने के लिए एक निश्चित जगह बनाकर तथा गाँव के सभी भाइयों से कूड़ा उसी जगह डालने के लिए कहना है। गाँव को हरा भरा रखने के लिए उसके चारों तरफ पेड़-पौधे लगाना और अपने घरों में भी फलदार पेड़ लगाना है।

४. कलेक्टर साहब ने बच्चों की बड़ाई में क्या कहा ?

उत्तर : कलेक्टर साहब ने बच्चों की बड़ाई में कहा कि,इस गाँव को साफ-सुथरा देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई है। गाँव को एक नया जीवन प्रदान किया गया है। इन बच्चों की जितनी बड़ाई की जाए उतनी ही थोड़्ई है। इन सबने मिलकर गाँव को स्वच्छ वातावरण दिया है। बाल-शक्ति के कारण आपका गाँव एक आदर्श गाँव बन गया है।

५. पाँच हज़ार रुपये मिलने पर मोहन क्या सोचता है ?

उत्तर : पाँच हज़ार रुपये मिलने पर मोहन इस प्रकार सोचता है कि,ये रुपये प्रधानाध्यापक जी को दे देंगे। स्कूल के पुस्तकालय में गरीब बच्चों के लिए पुस्तकों का प्रबंध करेंगे।

III. मिलान कीजिए।

अ	ब	उत्तर
१. बेईमानी करनेवाला	मोहन	रामू
२. टोली का नाम	पाँच हज़ार	बाल-शक्ति
३. इनाम के रुपये	बुजुर्ग	पाँच हज़ार
४. टोली का मुखिया	रामू	मोहन
५. ये गाँव के सपूत हैं	बाल-शक्ति	बुजुर्ग

IV. खाली जगह भरिए।

१. रामू और श्यामू कंचे खेल रहे थे।
२. गणित की कापी घर पर भूल आया हूँ।
३. अभी से अच्छी आदतें डालनी चाहिए।
४. रामू की गंदी आदतें छुड़वाएँगे।
५. रोज़ एक घंटा गाँव की सफाई में लगाएँगे।
६. कूड़ा डालने के लिए एक निश्चित जगह बनाएँगे।

V. शब्द लड़ी बनाइए :

जैसे : कंचा-चारु-रुपया-यार-रमा (अंतिम वर्ण से एक नया शब्द)

१. बालक-कला-लाल-ललाट-टमाटर

२. गाँव-वरदान-ननद-दरकार-रक्षा

३. टोली-लीला-लात-तन-नरक

४. फलदार-राक्षस-सरल-लता-तारा

५. इनाम-मरहम-मनुज-जहाज-जल

VI. विलोम शब्द लिखिए :

उदा : अपना पराया

१.रातxदिन २.आदिxअनादि ३.आयातxनिर्यात ४.आयxव्यय ५.उल्टाxसीधा

६. हानिxलाभ ७. तोड़xजोड़ ८. थोड़ाxज्यादा ९. उतारxचढ़ाव

VII. 'बेईमानी' ईमानी का विलोम शब्द है ।'ईमानी' शब्द से पहले 'बे' प्रत्यय जोड़ने से यह शब्द बना है । इसी तरह अप, अन, कु, बद उपसर्गों (प्रत्यय) को जोड़कर पाँच-पाँच शब्द बनाइए ।

१.मानxअपमान २.हास्यxअपहास्य ३.हरणxअपहरण ४. परिमितxअपरिमित

५.परिचितxअपरिचित

१.अनुकूलxअननुकूल २.आवरणxअनावरण ३.आदिxअनादि ४.आसक्तिxअनासक्ति ५.अनुमति अननुमति

१.पुत्रxकुपुत्र २.पुत्रीxकुपुत्री ३.कर्मxकुकर्म ४.रूपxकुरूप ४.समयxकुसमय ५.दृष्टि कुदृष्टि

VIII. 'न' को अंतिम अक्षर के रूप में प्रयोग कर शब्द रचिए :

नमूना : जन मन

१. तन २. धन ३. मान ४. जान ५. पान ६. कान

७. आन ८. चुन ९. वन १०. नयन ११. नमन १२. चयन

17.कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती

https://www.youtube.com/watch?v=GbVgtAFEbHk

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. किससे डरकर नौका पार नहीं होती ?

उत्तर : लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती।

२.किनकी हार नहीं होती है ?

उत्तर : कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती है।

३. दाना लेकर कौन चलती है ?

उत्तर : दाना लेकर चींटी चलती है।

४. चींटी कहाँ चढ़ती है ?

उत्तर : चींटी दीवारों पर चढ़ती है।

५. किसकी मेहनत बेकार नहीं होती ?

उत्तर : चींटी की मेहनत बेकार नहीं होती।

६. सागर में डुबकियाँ कौन लगाता है ?

उत्तर : सागर में डुबकियाँ गोताखोर लगाता है।

७. मोती कहाँ मिलता है ?

उत्तर : मोती गहरे पानी में मिलता है।

८. किसकी मुट्ठी खाली नहीं होती ?

उत्तर : जो हमेशा कोशिश करते हैं उसकी मुट्ठी खाली नहीं होती।

९. किसको मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए ?

उत्तर : जो जीतने का लक्ष्य रखते हैं उसे मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए।

१०.कुछ किये बिना ही क्या नहीं होती है ?

उत्तर : कुछ किये बिना ही जय-जयकार नहीं होती है।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. चींटी के बारे में कवि क्या कहते हैं ?

उत्तर : चींटी के बारे में कवि इस प्रकार कहते हैं कि, छोटी सी चींटी दाना लेकर चलती है। दीवारों पर चलते हुए अनेक बार फिसल जाती है। फिर वह मन में विश्वास और रगों में साहस भर लेती है। चढ़कर गिरना गिरकर चढ़ना उसे बुरा नहीं लगता है। आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती है। अर्थात कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती है।

२. गोताखोर के बारे में कवि के क्या विचार हैं ?

उत्तर : गोताखोर के बारे में कवि के विचार इस प्रकार हैं कि,अमूल्य मोती समुद्र में मिलती है। गोताखोर समुद्र में डुबकियाँ लगाता है। वह समुद्र के गहरे पानी जाकर दुगुने उत्साह और आश्चर्यचकित होकर ढूँढता है। अंत में उसे मोती मिल जाती है। जो कोशिश करता है उसे सदा सफलता मिलती ही है।

३. असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि क्या संदेश देते हैं ?

उत्तर : असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि यह संदेश देते हैं कि,असफलता को एक चुनौती मानकर उसे स्वीकार करना है। जब तक सफल न होते तब तक नींद तथा चैन त्याग देना है। संघर्ष के मैदान को छोड़कर कभी-भी न भाग जाना है। कुछ किए बिना जय-जयकार नहीं होती है। कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती है।

III. जोड़कर लिखिए :

अ	ब	उत्तर
१. लहर	डुबकियाँ	नौका
२. चींटी	चुनौती	दाना
३. गोताखोर	सुधार	डुबकियाँ
४. असफलता	दाना	चुनौती
५. कमी	नौका	सुधार
	सहज	

IV. भावार्थ लिखिए :

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रहों में साहस भरता है, चढ़कर गिरना,गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती, कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

भावार्थ : इस पद्य भाग में कवि श्री सोहनलाल व्दिवेदी जी ने सतत प्रयत्नशील व्यक्ति की सदा जीत होने के विषय के बारे में वर्णन करते हुए इस प्रकार कहते हैं कि,चींटी बहुत ही छोटी सी प्राणी है।वह अपने मुँह में दाना लेकर चलती है। चलते समय बहुत बार दीवार पर से फिसलती है,गिरती है।कभी-कभी दाना भी गिर जाता है ।पर वह अपना कोशिश नहीं छोड़ती है।उसे यह बुरा भी नहीं लगता है।आखिर उसकी कोशिश सफल होती है।कवि कहते हैं सदा कोशिश करनेवालों की कभी-भी हार नहीं होती है।

V. उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए :

उदा : पार - हार

१. चलती - फिसलती २.भरता - अखरता ३.लगाता - आता ४. बार - हार ५. स्वीकार – सुधार

VI. सफलता प्राप्त करने से संबंधित शब्दों पर गोला लगाइए :

सार्थक,परिश्रम,आत्मविश्वास,आराम से सोना,सतत अभ्यास,हैरान होना,बेकार का काम करना,पराजय का स्वीकार,सार्थक काम करना,कुछ करके देखना,शिक्षा प्राप्ति,भटकना, भाग जाना,भला करना।

IX. अनुरूपता :

१.मेहनत : परिश्रम :: कोशिश : प्रयत्न

२. चढ़ना : उतरना :: हारना : जीतना

३. स्वीकार : इन्कार :: चैन : बेचैन

४.सिंधु : समुद्र :: हाथ : हस्त

अपठित गद्य

1.शनिः सबसे सुंदर

https://www.youtube.com/watch?v=aIceFf7CKPw

https://www.youtube.com/watch?v=aQqok5OqPu8

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१.सौर-मंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है ?

उत्तर : सौर-मंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति है।

२.सौर-मंडल में शनि ग्रह का स्थान क्या है ?

उत्तर : सौर-मंडल में शनि ग्रह का स्थान दूसरा है।

३.पृथ्वी और सूर्य में कितना फासला है ?

उत्तर : पृथ्वी और सूर्य में करीब १५ करोड़ किलोमीटर का फासला है।

४.शनि किसका पुत्र है ?

उत्तर : शनि सूर्य का पुत्र है।

५."शनैःचर""का अर्थ क्या है ?

उत्तर : "शनैःचर" का अर्थ "धीमी गति से चलनेवाला" है।

६.सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को कितना समय लगता है ?

उत्तर : सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को करीब तीस साल का समय लगता है।

७.शनि एक राशि में कितने सालों तक रहता है ?

उत्तर : शनि एक राशि में करीब ढाई सालों तक रहता है।

८.बहुत कम सूर्यताप किस ग्रह पर होता है ?

उत्तर : बहुत कम सूर्यताप शनि ग्रह पर होता है।

९.शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

उत्तर : शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है।

१०. सौर-मंडल का सबसे बड़ा उपग्रह कौन-सा है ?

उत्तर : सौर-मंडल का सबसे बड़ा उपग्रह गैनीमीड है।

2.सत्य की महिमा

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

१."सत्य'' क्या होता है? उसका रूप कैसे होता है?

उत्तर : सत्य ! बहुत भोला-भाला, बहुत ही सीधा-सादा ! जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा, बिना नमक-मिर्च लगाए बोल दिया- यही तो सत्य है।कितना सरल ! सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान की प्रतिलिपि है, आत्मा की वाणी है।

२.झूठ का सहारा लेते हैं तो क्या-क्या सहना पड़ता है?

उत्तर : झूठ का सहारा लेते हैं तो मुँह काला करना पड़ता है और अपमानित होना पड़ता है।

३.शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है?

उत्तर : शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका इस प्रकार समझाया गया है- "सत्यं ब्रूयात, प्रियं ब्रूयात, न ब्रूयात सत्यमप्रियम" अर्थात, "सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।"

४."संसार के महान व्यक्तियों ने सत्य का सहारा लिया है"-सोदाहरण समझाइए।

उत्तर : संसार में जितने महान व्यक्ति हुए, सबने सत्य का सहारा लिया है। सत्य का पालन किया है। राजा हरिश्चन्द्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात है। उन्हें सत्य के मार्ग पर चलते अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सूरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नहीं है। राजा दशरथ ने सत्यवचन निभाने के लिए अपने प्राण त्याग दिए। महात्मा गाँधी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर दिया।

५.महात्मा गाँधी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कथन है?

उत्तर : महात्मा गाँधी का सत्य की शक्ति के बारे में कथन इस प्रकार है- "सत्य एक विशाल वृक्ष है। उसका जितना आदर किया जाता है, उतने ही फल उसमें लगते हैं। उनका अंत नहीं होता।"

६.झूठ बोलनेवालों की हालत कैसी होती है?

उत्तर : झूठ बोलनेवालों से लोगों का विश्वास उठ जाता है। उनकी उन्नति के द्वार बंद हो जाते हैं।

७.हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास क्यों करना चाहिए?

उत्तर : सत्य वह चिनगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है। अत: हमें हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए।

3. नागरिक के कर्तव्य

https://www.youtube.com/watch?v=HBv0yhVQA_Q

[Study With Parashuram]

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

१. मीना मैडम ने कितने दिनों के कार्यशिबिर का आयोजन किया था ?

उत्तर : मीना मैडम ने 15 दिनों के कार्यशिबिर का आयोजन किया था।

२. संभाषण का विषय क्या था?

उत्तर :संभाषण का विषय 'नागरिकों के मूल कर्तव्य' था।

३. अकुल ने मीना मैडम से क्या कहा ?

उत्तर :अकुल ने मीना मैडम से कहा ,एक नागरिक की हैसियत से हमें अपने देश के राष्ट्रध्वज,राष्ट्रगान,राष्ट्रीय त्योहार आदि का आदर करना चाहिए।

४. सलमा ने क्या कहा ?

उत्तर :सलमा ने कहा,प्रकृति हमारी माता है। इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय करना नहीं चाहिए। अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना भी हमारा दायित्व है।

५. अन्वर ने मीना मैडम से क्या कहा ?

उत्तर :अन्वर ने मीना मैडम से कहा कि,समस्त देशवासियों के प्रति भाई-चारे का भाव रखना और जाति,धर्म,भाषा,प्रदेश,वर्ग पर आधारित सभी भेद-भावों से दूर रहना चाहिए।

६. मीना मैडम ने छात्रों से अंत में क्या कहा ?

उत्तर :मीना मैडम ने छात्रों से अंत में कहा कि,आज के बच्चे कल के नागरिक हैं। विद्यार्थियो ! आज से,नहीं नहीं ; अब से ही आप इन कर्तव्यों का पालन करना शुरू करो।इससे आपका हित तो होगा ही,देश का कल्याण भी होगा।

पत्र – रचना

https://www.youtube.com/watch?v=6yvjdZ_20lQ

१.किसी कारण देते हुए तीन दिनों की छुट्टी माँगते हुए अपने कक्षा अध्यापक को एक पत्र लिखिए :

दिनांक: : :

स्थान :

प्रेषक,

Xxx

दसवीं कक्षा,

BMGHS

चल्लकेरे

चित्रदुर्ग जिला।

सेवा में,

कक्षा अध्यापक,

BMGHS

चल्लकेरे

चित्रदुर्ग जिला।

महोदया,

विषय : तीन दिनों की छुट्टि प्रदान करने के बारे में,

सविनय निवेदन है कि, मेरी तबीयत ठीक न होने के कारण मैं दिनांक : : : से दिनांक : : : तक तीन दिनों तक कक्षा में उपस्थित नहीं हो सकती / सकता हूँ। इसलिए आप मुझे तीन दिनों की छुट्टि प्रदान करने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

आपका विधेय विद्यार्थिनी,

Xyz

२.प्रवास जाने के लिए 1000/- रुपए माँगते हुए अपने पिताजी के नाम पर एक पत्र लिखिए :

प्रेषक,
Xxx
दसवीं कक्षा,
BMGHS
चल्लकेरे
चित्रदुर्ग जिला।
दिनांक: : : ।
पूजनीय पिताजी,

सादर प्रणाम,

मैं यहाँ सकुशल हूँ। मुझे यकीन है कि भगवान की कृपा से वहाँ आप सब लोग सकुशल होंगे। मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। अब पत्र लिखने का कारण है कि, हमारी पाठशाला में मैसूर, श्रीरंगपट्टण, तलकाडु, नंजनगूडु,निमिषांभा देवालय आदि स्थानों को देखने शैक्षिक यात्रा का आयोजन हुआ है। उसमें मेरे सारे मित्र जा रहे हैं। मैं भी जाना चाहती हूँ। इसलिए आप मुझे प्रवास जाने के लिए अनुमति देते हुए, २०००/०० रुपए भेजने की कृपा करें। पूजनीय माताजी को मेरा सादर प्रणाम। भाई तथा बहन को मेरा याद-प्यार।

आपका प्रिय बेटी,

हस्ताक्षर

सेवा में,
सौम्य
माविनकट्टे
होसदुर्ग ता
चित्रदुर्ग जिला।

निबंध रचना

बढती हुई जनसंख्या की समस्या

https://www.youtube.com/watch?v=0jRkwaxrGB4

[Study Faster]

स्वतंत्र भारत को अपने आर्थिक विकास के लिए जिन समस्याओं का सामना करना पड रहा है, उनमें जनसंख्या का तीव्रगति से बढना प्रमुख समस्या है। आज भारत की जनसंख्या लगभग ९० करोड है। यह संसार में चीन की जनसंख्या के बाद दूसरे नंबर पर है। सन १९४७ ई.में भारत विबाजन के फलस्वरूप लाखों शरणार्थियों के भारत आगमन के कारण तथा उसके बाद भी विदेशों से आकर भारत में बसनेवाले लोगों के कारण भारत की जनसंख्या तीव्रगति से बढी है। ये तो बाह्य कारण है। आन्तरिक कारणों में,

१) जन्मदर में वृद्धि तथा मृत्युदर में कमी।
२) चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर सुधारा।
३) शिशु मृत्युदर में कमी।
४) पर्याप्त खाद्यपूर्ति तथा छोटी उम्र में ब्याह।
५) गर्म जलवायु व अनिवार्य विवाह।
६) अशिक्षा व अन्धानुकरण के कारण परिवार नियोजन साधनों का समुचित उपयोग न होना आदि।

भारत में अत्यंत तीव्रगति से बढती हुई जनसंख्या के दुष्परिणाम अनेक है। वे हैं-

१)हर व्यक्ति का आय का न बढना।
२)जीवन स्तर में निरंतर गिरावट।
३) औद्योगिक उत्पादन के लिए पूँजी की कमी।
४) देश में बेरोजगारी लगातार बढते जाना।
५) खाद्य सामग्री का अभाव होना।
६) वस्तुओं की कीमती में तीव्र वृद्धि का होना आदि।

जनसंख्या की वृद्धि से होनेवाली समस्याओं से छुटकारा पाना हो तो,

१) हमें हमारे देश की बढती जनसंख्या पर छुटकारा अंकुश लगाना होगा।
२) लोगों में परिवार को छोटा रखने की चेतना जागृत करना।
३) विवाह की न्यूनतम आयु निश्चित करना।
४) शिक्षा व नारी शिक्षा को प्रोत्साहन देना।
५) लोगों के रहन-सहन के स्तर को उन्नत करना।
६) परिवार कल्याण केन्द्रों का विस्तार करना आदि विशयों पर ध्यान लगा देना चाहिए तथा उनको आचरण में लाना चाहिए।

2.पर्यावरण की रक्षा

https://www.youtube.com/watch?v=jvNZuMpjGAo

[By Kids Knowledge Candy]

प्रस्तावना:- हमारे चारों ओर दिखाई देनेवाले हरे-भरे पेड़-पौधे, नदी-पर्वत, पशु-पक्षि आदि सभी मिलकर पर्यावरण कहा जाता है। पर्यावरण कई कारणों से दूषित हो जाता है। पर्यावरण मुख्य रूप से तीन प्रकारों से दूषित हो जाता है। वे हैं-

१) वायुमालिन्य
२) जलमालिन्य
३) शब्दमालिन्य

पर्यावरण प्रदूषण के कारण :-

पर्यावरण प्रदूषण के कई कारण है। इसका प्रमुख कारण बढती हुई जनसंख्या है। वृक्ष हमारे लिए प्राणवायु का संप्रसार करते हैं। आजकल मनुष्य अपनी स्वार्थ की पूर्ति के लिए वृक्षों को अंधा-धुंध काट रहा है। इस कारण ,पर्यावरण में प्राणवायु (आक्सीजन) कम होता जा रहा है। कारखानों से, वाहनों से निकलनेवाले धुँए से हवा प्रदूषित हो रही है। इस कारण से साँस से संबन्धित रोग आ रहे हैं।

हमारे जीवन में पानी का अधिक महत्व है। कल-कारखानों के विषैला पदार्थ , नगरों की गन्दगी से जल प्रदूषण फैल रहा है। ये सभी पदार्थ नदियों में छोडे जा रहे हैं। इससे पेट सम्बन्धी अनेक रोग आते हैं। कल-कारखानों की, वाहनों की आवाज से ध्वनि प्रादूषण फैल रहा है। इस कारण से कई मानसिक तथा शारीरिक बीमारियाँ हमें घेर रही है।

पर्यावरण प्रदूषण के निवारण के उपाय :

पर्यावरण प्रदूषण के निवारण के उपाय निम्नलिखित हैं-

१) सबसे पहले बढ़ती हुई जनसंख्या पर रोक लगाना चाहिए।
२) पेड-पौधों को ज्यादा लगाना चाहिए।
३) कारखानों से निकलनेवाली कचरे को नदियों में नहीं मिलाना चाहिए।
४) वाहनों से निकलनेवाले शोर को कम करना चाहिए।
५) कल-कारखानों ,राकटों तथा वाहनों से निकलनेवाले धुँए को कम करना चाहिए।
६) हमारे चारों तरफ के परिसर को शुद्ध तथा साफ रखना चाहिए।
७) स्वास्थ्य के महत्व के बारे में लोगों को जानकारी देना चाहिए।
८) औद्योगिक क्रांति पर रोक लगाना चाहिए।

पर्यावरण में फैले हुए प्रदूषण को रोककर हम अपने जीवन को सुखमय बना सकते हैं। पर्यावरण हमारा रक्षा कवच है। इसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।

3.इंटरनेट-क्रांति

https://www.youtube.com/watch?v=wih_g2QLFvY

[Being a Student]

प्रस्तावना: आज का युग इंटरनेट युग है। बड़े बूड़ों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर इस इंटरनेट –क्रांति का असर पड़ा है।

अर्थ: इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है। आज इनसान के लिए खान-पान जितना जरूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक हो गया है।

इंटरनेट से लाभ: कुछ साल पहले दूर रहते रिश्तेदार या दोस्तों को कोई खबर देनी पड़ती तो चिट्ठी लिखनी पड़ती थी या दूरभाष का उपयोग करना पड़ता था। इससे समय और पैसे दोनों का अधिक व्यय होता था। लेकिन इंटरनेट व्दारा पल भर में, बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो< दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। इंटरनेट व्दारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इससे दुकान जाने और लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बच सकता है। इंटरनेट –बैंकिंग व्दारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

इंटरनेट की सहायता से बेरोज़गारी को मिटा सकते हैं। भारत में आई.टी (इनफारमेशन टैक्नोलजी) और आई.टी.ई.एस.(इनफारमेशन टैक्नोलजी एनेबल्ड सर्विसेस) संस्थाओं का प्रवेश इंटरनेट से संभव हुआ है। इनसे अनगिनत लोगों को रोज़गार मिला है और सिर्फ हमारे देश में ही नहीं, कई देशों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हुआ है।

“सोशल नेटवर्किंग” एक क्रातिकारी खोज है, जिससे दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं, जैसे-फेसबुक, आरकुट,ट्विट्टर, लिंकडइन आदि। इन साइटों के कारण देश-विदेश के लोगों की रहन-सहन, वेष-भूषा, खान-पान के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।

ई-गवर्नेन्स व्दारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। उसने जीवन के हर क्षेत्र में अपना कमाल दिखाया है। जैसे- चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि। यहाँ तक कि देश के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।

इंटरनेट से दुष्परिणाम

इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर वह अभिशाप भी है। इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग(सूचना/खबरों की चोरी) आदि बढ़ रही हैं। मुक्त वेब साइट, चैतिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी इंतरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं। इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं।

उपसंहार :

इंटरनेट से अनेक दुष्परिणामों के होते हुए भी उससे अनेक लाभ भी है। उन्हें पहचानकर हमें उसका सही उपयोग कर लेना चाहिए। इंटरनेट से सचेत रहते है तो उसका सही लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

4. पर्यटन का महत्व

https://www.youtube.com/watch?v=MgihB9sNEg4

[Shivachang Singh Ravath]

कौतूहल और जिज्ञासा मानव की दो मूल प्रवृत्तियाँ है।मानव-मन परिवर्तन चाहता है। परिवर्तन तो प्रकृति का नियम है।मनुष्य भी हर दिन कुछ नया चाहता है, इसी कारण वह नये-नये जगहों, नये-नये लोगों की जानकारी आदि के लिए वह सदैव आतुर रहता है। इसी उत्सुकता के लिए वह पर्यटन करता है। पर्यटन का अर्थ है- विभिन्न स्थानों का घूमना।पर्यटन से मनोरंजन ही नहीं होता, वरन वह वरदान भी सिद्ध हो जाता है। आजकल विद्यालय में पर्यटन के महत्व को जानकर उसे शिक्षा का अंग माना गया है।

एक स्थान पर रहते-रहते व्यक्ति का मन ऊब जाता है। पर्यटन से मनोरंजन होता है। मनोरंजन से चित्त प्रसन्न रहता है। प्राकृतिक वातावरण, स्वच्छ एवं शुद्ध जलवायु से स्वास्थ्य बढता है। पर्वतीय प्रदेशों का शांत वातावरण उसे प्रकृति के समीप लाता है उसका मन खुशी से भर जाता है और उसकी कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। पर्यटन से मनुष्य व्यवहार कुशल, स्वावलंबी, धैर्यवान बनता है। विभिन्न प्रकार के लोगों से मिलने के बाद उसके व्यक्तित्व में विकास होता है मन मस्तिष्क में नवीनता लाने के लिए विद्यार्थियों को अवश्य पर्यटन में ले जाना चाहिए।

पर्यटन देश की आर्थिक समृद्धि का आधार है। अनेक लोग विश्वभर में व्यापारिक दृष्टि से यात्रा करते हैं। इससे विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है।विभिन्न देशों से कम मूल्य पर सामान खरीदकर और अधिक मूल्य पर बेचकर वे काफी लाभ प्राप्त करते हैं। यही कारण है कि राज्य स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाता है।

पुस्तकीय ज्ञान से मानव-जीवन में व्यावहारिकता नहीं आती। पर्यटन द्वारा पुस्तकीय ज्ञान को व्यावहारिकता प्राप्त होती है। प्रत्येक क्षेत्र और देश के व्यवहार तथा संस्कृति में अंतर होता है। उनके साथ मिलकर व्यवहार करने का ज्ञान पर्यटन के बाद ही हो पाता है। विभिन्न लोगों के संपर्क में आने पर मानवीय व्यवहार को समझने की क्षमता बनी रहती है। पर्यटन के समय आनेवाले परिस्थितियों के कारण उसे जो अनुभव प्राप्त होते हैं, वे स्थाई तथा अधिक प्रभावी होते हैं। इस प्रकार पर्यटन से विश्वशांति के प्रयासों में सहायता मिलती है। सद्भावना बढ़ती है। इसलिए परस्पर स्नेह-भावना और विश्व-बंधुत्व की कल्पना करने में पर्यटन महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

पर्यटन जीवन के यथार्थ, संसार की राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थिति तथा कला-कौशल का ज्ञान प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सद्भाव तथा मैत्री की वृद्धि में पर्यटन का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। सफल पर्यटन के मार्ग में कुछ कठिनाइयाँ आ सकती हैं। सभी व्यक्ति पर्यटन के बढ़े हुए व्यय को वहन नहीं कर सकते। जलवायु अनुकूल न हो पाने के कारण लोग बीमार भी हो जाते हैं। कभी-कभी जान-माल से हाथ भी धोना पड़ जाता है। शारीरिक, आर्थिक तथा मानसिक रूप से क्षति भी उठानी पड़ती है; अतः पर्यटन श्रमसाध्य तथा साहसिक कार्य है।

प्राचीनकाल में लोगों को यातायात की उपलब्ध नहीं थी, फिर भी वे पर्यटन के बहाने भ्रमण करते थे। ये पर्यटन कष्टदायक होती थीं। आज जब आधुनिक साधनों ने पर्यटन को सुलभ तथा मार्गों को सुगम्य बना दिया है, तब भी पर्यटन के प्रति लोगों में दिलचस्पी बहुत अधिक नहीं है। इसका कारण आर्थिक परिस्थिति हो सकता है।

5.महँगाई की समस्या

https://www.youtube.com/watch?v=o6Rt3JA9isY

[By R Point Study]

"हमारी चालीस प्रतिशत जनता अभी भी गरीबी के स्तर से नीचे जीवन बिता रही हैं और महँगाई इतनी अधिक बढ़ गई है, जितनी पहले कभी नहीं बढ़ी थी।"_ वी.वी.गिरि

विषय प्रवेश: भारत की बहुत-सी आर्थिक समस्याओं में महँगाई की समस्या एक प्रमुख समस्या है। वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि का क्रम इतना तीव्र है कि आप जब किसी वस्तु को दोबारा खरीदने जाते हैं तो वस्तु का मूल्य पहले से अधिक बढ़ा हुआ होता है।

महँगाई के कारण

महँगाई क्यों बढ़ती है?-वस्तुओं के मूल्यों में व्रुद्धि के बहुत से कारण हैं। इन कारणों में अधिकांश आर्थिक हैं। कुछ कारण ऐसे भी हैं,जो व्यवस्था से संबंधित हैं अथवा सामाजिक हैं। ये कारण प्राय: इस प्रकार हैं-

क) जनसंख्या में तेजी से वृद्धि- भारत में जितनी तेजी से जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, उतनी तेजी से वस्तुओं का उत्पादन नहीं हो रहा है। इसका स्वाभाविक परिणाम यह है कि अधिकांश वस्तुओं के मूल्यों में निरंतर वृद्धि हुई है।

ख) कृषि उत्पादन-व्यय में वृद्धि- हमारा देश कृषि-प्रधान है। यहाँ की अधिकांश जनसंख्या कृषि पर निर्भर हैं। गत अनेक वर्षों से खेतों में काम आनेवाले उपकरणों के मूल्यों में वृद्धि हुई है। इस कारण उत्पादित वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि होती जा रही है

ग) कृत्रिम रूप से वस्तुओं की पूर्ति में कमी-वस्तुओं का मूल्य माँग और पूर्ति पर आधारित है। जब बाजार में वस्तुओं की पूर्ति कम हो जाती है तो उनके मूल्य बढ़ जाते हैं। अधिक मुनाफा कमाने के लिए व्यापारी वस्तुओं का कृत्रिम अभाव पैदा कर देते हैं,जिसके कारण महँगाई बढ़ जाती है।

घ) घाटे का बजट- योजनाओं को चलाने के लिए सरकार को बड़ी मात्रा में पूँजी की व्यवस्था करनी पड़ती है। पूँजी की व्यवस्था के लिए सरकार अन्य उपायों के अतिरिक्त घाटे की बजट-प्रणाली को अपनाती है। घाटे की यह पूर्ति नए नोट छापकर की जाती है। परिणामत: देश में मुद्रा की पूर्ति आवश्यकता से अधिक हो जाती है। जब ये नोट बाजार में पहुँचते हैं तो वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि करते हैं।

उपसंहार- महँगाई की वृद्धि के कारण हमारी अर्थव्यवस्था में जटिलताएँ उत्पन्न हो गई हैं। घाटे की अर्थव्यवस्था ने इस कठिनाई को और ज्यादा बढ़ावा है। यद्यपि सरकार की ओर से किए जाने वाले प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष प्रयासों द्वारा महँगाई की इस प्रवृत्ति को रोकने का प्रयास निरंतर किया जा रहा है, तथापि इस दिशा में अभी तक पूरी सफलता नहीं मिल पाई है।

यदि समय रहते महँगाई के इस दैत्य को वश में नहीं किया गया तो हमारी अर्थव्यवस्था छिन्न-भिन्न हो जाएगी और हमारी प्रगति के सारे रास्ते बंद हो जाएँगे। भ्रष्टाचार अपनी जड़ें जमा लेगा और नैतिक मूल्य पूरी तरह समाप्त हो जाएँगे।

6. बेरोजगारी

https://www.youtube.com/watch?v=V0Usb2wRnQk

[By Education Track]

"बेरोजगार व्यक्ति को कष्ट तो पहुँचता ही है, साथ ही उसका नैतिक पतन भी होता है, जो साधारण रूप से समाज को ग्रस्त कर लेता है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी बढ़ता ही जाता है। इस प्रकार के असंतुष्ट नवयुवकों का अधिक संख्या में बेकार होना देश की राजनीतिक स्थिरता के लिए भी हानिकारक और भयंकर है।"

प्रस्तावना- क्या आपने कभी उस नवयुवक के चेहरे को देखा है, जो विश्वविद्यालय से अच्छी डिग्री लेकर बाहर आया है और रोजगार की तलाश में भटक रहा है? क्या आपने कभी उस युवक की आँखों में झाँककर देखा है, जो बेकारी की आग में अपनी शिक्षा-दीक्षा को जलाकर राख कर देने के लिए विवश है? क्या कभी आपने उस नौजवान की पीड़ा का अनुभव किया है, जो दिन में रोजगार-दफ्तरों में चक्कर लगाता है और रात में देर तक अखबारी विज्ञापनों में अपनी नौकरी की खोज करता है? घर में जिसे निकम्मा कहा जाता है और समाज में आवारा; किंतु अपनी मौन-व्यथा सुनाता है।

बेकारी का अर्थ- बेकारी का अभिप्राय उस स्थिति से है, जब कोई योग्य तथा काम करने के लिए इच्छुक व्यक्ति प्रचलित मजदूरी की दरों पर कार्य माँगता हो और उसे काम न मिलता हो। बालक, वृद्ध, रोगी, अक्षम एवं अपंग व्यक्तियों को बेरोजगारों की परिधि में नहीं रखा जा सकता। जो व्यक्ति काम करने के इच्छुक नहीं हैं और परोपजीवी हैं, वे भी बेकारी के अंतर्गत नहीं आते।

बेकारी: एक प्रमुख समस्या- भारत की आर्थिक समस्याओं में बेरोजगारी एक प्रमुख समस्या है। वस्तुतः यह एक ऐसी बुराई है, जिसके कारण उत्पादक मानव-शक्ति ही नहीं नष्ट होती, वरन देश का भावी आर्थिक विकास भी अवरुद्ध होता है। जो श्रमिक अपने कार्य के द्वारा देश के आर्थिक विकास में सक्रिय सहयोग दे सकते थे, वे कार्य के अभाव में बेकार रह जाते हैं। यह स्थिति हमारे आर्थिक विकास में बाधक है।

बढ़ती बेकारी के बोलते आँकड़े- इस देश में ऐसे व्यक्तियों की संख्या बहुत अधिक है, जो लंबे समय से रोजगार की खोज में हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में ३१ दिसंबर १९७७ को रोजगार दफ्तरों के रजिस्टरों पर नौकरी ढँढने वाले एक करोड़ लोगों के नाम दर्ज थे। यह तो केवल रोजगार दफ्तरों की संख्या है। सन १९८५ तक यह संख्या बढ़कर ३ करोड़ के लगभग होगई थी। हमारे यहाँ लगभग ६० लाख लोग प्रतिवर्ष बेरोजगार की पंक्ति में खड़े हो जाते हैं। इनमें ग्रामीण बेरोजगारों की संख्या सबसे अधिक है। आशय यह है कि चाहे ग्रामीण हो अथवा शहरी, शिक्षित हो अथवा अशिक्षित, बेरोजगारों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है।

(क) जनसंख्या में वृद्धि- बेकारी का प्रमुख कारण है- जनसंख्या में तीव्रगति से वृद्धि।विगत कुछ दशकों में भारत में जनसंख्या का विस्फोट हुआ है। देश की जनसंख्या में प्रतिवर्ष २.५ प्रतिशत की वृद्धि हो जाती है, जबकि इस दर से बेकार व्यक्तियों के लिए रोजगार की व्यवस्था नहीं हो पाती है।

(ख) दोषपूर्ण शिक्षा-प्रणाली- भारतीय शिक्षा सैद्धांतिक अधिक है। वह व्यावहारिकता से शून्य है। इसमें पुस्तकीय ज्ञान पर ही विशेष ध्यान दिया जाता है। फलतः यहाँ के स्कूल-कालेजों से निकलने वाले छात्र दफ्तर के बाबू ही बन पाते हैं। वे निजी उद्योग-धंधे आरंभ नहीं कर पाते।

(ग) कुटीर उद्योगों की उपेक्षा- ब्रिटिश सरकार की कुटीर उद्योग-विरोधी नीति के कारण देश में उद्योग-धंधों का पतन हो गया। फलस्वरूप अनेक कारीगर बेकार हो गए। स्वतंत्रता-प्राप्ति के पश्चात भी कुटीर उद्योगों के विकास की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, अतः बेकारी में निरंतर वृद्धि होती गई।

(घ) औद्योगीकरण की धीमी प्रक्रिया- पंचवर्षीय योजनाओं में देश के औद्योगिक विकास के लिए प्रशंसनीय पग उठाए गए हैं, फिर भी पूरी तरह देश का औद्योगीकरण नहीं किया जा सका है। इस कारण बेकार व्यक्तियों के लिए रोजगार नहीं जुटाए जा सके हैं।

(ङ) प्राकृतिक साधनों का अपूर्ण उपयोग- हमारा देश प्राकृतिक साधनों से संपन्न है। यहाँ की कृषि पूँजी एवं तकनीक के अभाव में इनका पूरा-पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है।

(च) कृषि का पिछड़ापन-भारत की लगभग ७२ प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। यहाँ की कृषि अत्यंत पिछड़ी हुई दशा में है; अतः बेकारी की समस्या व्यापक हो गई है।

(छ) कुशल एवं प्रशिक्षित व्यक्तियों की कमी- हमारे देश में कुशल एवं प्रशिक्षित व्यक्तियों का अभाव है; अतः उद्योगों के संचालन के लिए विदेश से प्रशिक्षित कर्मचारी बुलाने पड़ते हैं। यही कारण है कि देश में अनेक अकुशल एवं अप्रशिक्षित व्यक्ति बेकार हो जाते हैं।

(ज) अविकसित सामाजिक दशा- हमारे देश में जाति-प्रथा, बाल-विवाह, सामाजिक असमानताएँ भी बेकारी को उग्र बनाने में सहायक हुई हैं। इनके अतिरिक्त मानसून की अनियमितता, भारी संख्या में शरणार्थियों का आगमन, मशीनीकरण के फलस्वरूप होनेवाली श्रमिकों की माँग एवं पूर्ति में असंतुलन, आर्थिक साधनों की कमी आदि से भी बेकारी में वृद्धि हुई है। देश को बेकारी से उबारने के लिए इनका समुचित समाधान किया जाना आवश्यक है।

बेकारी दूर करने के उपाय

निम्नलिखित उपाय बेकारी को दूर करने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं-

(क) जनसंख्या-वृद्धि पर नियंत्रण- जनसंख्या में अप्रत्याशित वृद्धि बेकारी का मूल कारण है। अतः इस पर नियंत्रण आवश्यक है। जनता को परिवार-नियोजन का महत्व समझाते हुए उसमें व्यापक चेतना जाग्रत करनी चाहिए।

(ख) शिक्षा-प्रणाली में व्यापक परिवर्तन- शिक्षा को व्यवसायोन्मुख बनाया जाना चाहिए। शिक्षा में शारीरिक श्रम को उचित महत्व दिया जाना चाहिए।

(ग) कुटीर उद्योगों का विकास- कुटीर उद्योगों के विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

(घ) औद्योगीकरण- देश में व्यापक स्तर पर औद्योगीकरण किया जाना चाहिए। विशाल उद्योगों की अपेक्षा लघुस्तरीय उद्योगों को अधिक महत्व दिया जाए।

उपसंहार- हमारी सरकार बेकारी के प्रति जागरूक है और इस दिशा में उसने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। परिवार-नियोजन, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, कच्चा माल एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने की सुविधा, कृषि-भूमि की हदबंदी, नए-नए उद्योगों की स्थापना, अप्रैंटिस योजना, प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना आदि अनेकानेक कार्य ऐसे हैं, जो बेरोजगारी को दूर करने में एक सीमा तक सहायक सिद्ध हुए हैं। इनको और अधिक विस्तृत तथा अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। इस संबंध में वर्तमान सरकार की कोई स्पष्ट नीति नहीं है और न ही वह इस ओर ध्यान देने की स्थिति में है। अतः आनेवाले वर्षों में बेरोजगारों का प्रतिशत अधिक बढ़ जाए इस बात को

7 . नागरिक के कर्तव्य

https://www.youtube.com/watch?v=z6Tfc4ekx1A

[By Education Track]

प्रस्तावना : "राष्ट्र का निर्माण चट्टानों तथा वृक्षों से नहीं वरन उसके नागरिकों के चरित्र से होता है।"-यह कथन पूर्णतः सत्य है।अनुशासित नागरिक ही देश को उन्नति के पथ पर अग्रसर करते हैं।"नागरिक"शब्द राष्ट्र के सदस्यत्व का संकेत है।राज्य के उगम के साथ नागरिक शब्द भी उदित हुआ। नागरिक का अर्थ है "राष्ट्र की प्रजा।"

अरिस्टाटल के अनुसार "राज्य की राजनीति,प्रशासन और न्यायांगीय कार्यों में भाग लेनेवाले सदस्य ही नागरिक है।" उस समय स्त्रीयों को नागरिक का हक नहीं दिया गया था।लेकिन आधुनिक विचारधारा में एक राज्य में निवास करनेवाले स्त्री और पुरुष सब उसके नागरिक हैं। सरकार के कार्यों में भाग ले या न ले पर वे नागरिक हैं।

राष्ट्र और नागरिक एक ही वस्तु के दो पहलू हैं। बिना एक के दूसरे की कल्पना संभव नहीं है। नागरिकों का सामूहिक रूप ही राष्ट्र कहलाता है। उदाहरणार्थ भारत एक राष्ट्र है और हम सब इसके नागरिक। एक नागरिक के एक राष्ट्र में विशेष अधिकार और कर्तव्य होते हैं।

व्यक्ति जन्म से किसी देश का नागरिक हो सकता है, या फिर अन्य प्रकार से उस देश की नागरिकता प्राप्त कर सकता है। किसी भी राष्ट्र या देश की सच्ची शक्ति उसके नागरिकों में हैं। यदि वे विवेकशील, कर्मशील, स्वस्थ, बुद्धिमान, आदर्श और समृद्ध हैं तो वह देश भी आदर्श और महान होता है। एक संगठित, शक्तिशाली और आदर्श देश के निर्माता उसके नागरिक ही हैं।

एक आदर्श नागरिक का जीवन अनुकरणीय होता है। उसका ऊँचा आदर्श और आचरण होता है। वह अधिकारों से अधिक अपने कर्तव्यों का ध्यान रखता है, उन्हें प्राथमिकता देता है। उसके लिए राष्ट्र पहले है और अन्य कुछ उसके बाद। वह पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय दायित्वों को बड़ी जिम्मेदारी से निभाता है। वह अपने देश के नियम, कानूनों का कड़ाई से पालन करता है, और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है। न वह निकम्मा और निठल्ला होता है और न कामचोर। वह निरंतर परिश्रम करके देश, समाज व अपने परिवार की समृद्धि में सहयोग देता है। वह कभी करों की चोरी नहीं करता है। वह देश के कानूनों को भलीभाँति जानता है और उनका पालन करता है।

एक आदर्श नागरिक को अपने देश,समाज,संस्कृति व इतिहास पर गौरव होता है। वह राष्ट्रभक्त होता है तथा सदा अनुशासन,शांति व व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग करता है।

नागरिक के कर्तव्य : भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि-

१)संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों,संस्थाओं,राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें।

२)स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करनेवाले उच्च आदर्शों को हृदय में समाए रखें और उनका पालन करें।

उपसंहार: राष्ट्र से हम अनेक लाभों को पाना चाहते हैं। उसी प्रकार राष्ट्र के लिए कुछ करना हम सभी नागरिकों का कर्तव्य होता है। सरकार के उद्देश्य और मंजिल में यश पाना है तो नागरिकों को सहयोग देना बहुत जरूरी है।